आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 सोनाक्षी सिन्हा स्टारर निकिता...

वर्ष : 27 | अंक : 119 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 20 अप्रैल, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

इलाज में धन की कमी नहीं बनने दी जाएगी बाधा, हर समस्या का होगा त्वरित समाधान : मुख्यमंत्री

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लगातार दूसरे दिन विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और उन्हें त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 300 से अधिक लोगों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनके प्रार्थना-पत्र प्राप्त किए।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने आत्मीयता के साथ एक-एक व्यक्ति की बात सुनी, कुर्सियों पर बैठे लोगों तक स्वयं जाकर उनका हाल जाना और उन्हें आश्वस्त किया कि की कोई जरूरत नहीं है, हर समस्या का समाधान सरकार की जिम्मेदारी है। जनता दर्शन के दौरान एक महिला ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह अपने परिजन के इलाज के लिए आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है और अस्पताल तक पहुंचाने की भी व्यवस्था नहीं हो पा रही है। यह सुनकर मुख्यमंत्री भावुक हो उठे और उन्होंने तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिया कि मरीज को तत्काल अस्पताल पहुँचाया जाए, भर्ती कर समुचित इलाज सुनिश्चित कराया जाए, और भविष्य में कोई दिक्कत न हो इसके लिए आयुष्मान कार्ड भी बनवाया जाए। मुख्यमंत्री के इस मानवीय हस्तक्षेप से महिला भावविभोर होकर करबद्ध होकर आभार जताने लगी।

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अन्य लोगों से भी कहा कि किसी भी ज़रूरतमंद को इलाज के अभाव में परेशान नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल के इस्टीमेट जल्द तैयार कर शासन को भेजे जाएं, ताकि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि हर शिकायत का समाधान त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक समस्या पर संवेदनशीलता से विचार कर तय समयसीमा में निस्तारण सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन वर्षों से आम जन की समस्याओं को सीधे मुख्यमंत्री तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन चुका है, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस परंपरा को लगातार जारी रखकर जनसरोकारों की मिसाल पेश कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में किया रुद्राभिषेक

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखनाथ मंदिर में विधि-विधानपूर्वक रुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न इस अनुष्ठान में उन्होंने देवाधिदेव महादेव से सम्पूर्ण सृष्टि के कल्याण, लोक-शांति और जनसामान्य की समृद्धि की कामना की।

गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर में यह धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण श्रद्धा और शास्त्र सम्मत विधियों के साथ संपन्न हुआ। महंत योगी आदित्यनाथ ने परंपरानुसार रुद्राभिषेक कर गंगा जल, दूध, दही, शहद, घी और पंचामृत से भगवान शिव का अभिषेक किया, तत्पश्चात मंत्रोच्चारण के साथ हवन-पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि शिव की आराधना से आत्मबल, सद्बुद्धि और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है, जो समाज और राष्ट्र को समृद्ध और सशक्त बनाती है। उन्होंने विश्व के समस्त जीवों के कल्याण की कामना करते हुए 'सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:' मंत्र का जाप भी किया।

रामबन में भारी बारिश और भूस्खलन से तबाही, 3 की मौत

रामबन/उधमपुर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में आज रात भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं के कारण भीषण प्राकृतिक आपदा देखने को मिली। धर्म कुंड गांव सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां करीब 40 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं, 100 से अधिक ग्रामीणों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

भारी बारिश के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाशरी से बनिहाल तक कई स्थानों पर भूस्खलन और मडस्लाइड हुई, जिससे मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। यातायात विभाग ने यात्रियों से अपील की है कि रास्ता खुलने और मौसम सुधरने तक यात्रा से बचें। विभाग की टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

इस आपदा पर उधमपुर से भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह रामबन के डीसी बसीर-उल-हक चौधरी से लगातार संपर्क में हैं और जिला प्रशासन की तत्परता की सराहना करते हैं, जिसने कई लोगों की जान बचाई।

उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है, चाहे वह आर्थिक मदद हो या अन्य जरूरी संसाधन। यदि आवश्यकता पड़ी तो वे सांसद निधि से भी व्यक्तिगत सहायता प्रदान करेंगे।

डॉ. सिंह ने लोगों से संयम और धैर्य बनाए रखने की अपील की है और कहा कि, यह समय डरने का नहीं, एकजुट होकर इस आपदा का सामना करने का है।

फर्नीचर की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित गौर सिटी सोसायटी के समीप फर्नीचर की दुकान में आग लग गई। जिस समय आग लगी कामगार दुकान में काम कर रहे थे। कामगारों ने भाग कर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी है। आग पर अभी काबू नहीं पाया जा सका है।

आग के कारण पीड़ित दुकान मालिक को लाखों का नुकसान हुआ है। गौर सिटी 16 एवेन्यू सोसायटी के समीप मार्केट में फर्नीचर की दुकान है। जिसमें 12 बजे के करीब अचानक आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि थोड़ी ही देर में उसने दुकान में रखा फर्नीचर को भी अपने आगोश में ले लिया।

जब तक कामगार कुछ समझ पाते तब तक आग तेजी से फैल गई। आग को विकराल होता देखकर कामगार भागकर दुकान से बाहर निकले। इसके बाद सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी है। आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

ट्रैफिक पुलिस ने एक्सप्रेसवे पर स्टंट और ओवरस्पीडिंग करने वाले बाइकर्स पर की सख्त कार्रवाई

नोएडा। सड़क सुरक्षा को लेकर नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने एक सख्त रुख अपनाते हुए एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार में बाइक चलाने और स्टंट करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया।

चिल्ला बॉर्डर, कालिंदी कुंज, डीएनडी टोल और जीरो प्वाइंट जैसे प्रमुख मार्गों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान एक्सप्रेसवे पर तेज गति या स्टंट करने की नीयत से आए बाइकर्स को बॉर्डर पर ही रोक दिया गया और उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए कि इस प्रकार की गतिविधियां पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं।

पुलिस ने बाइकर्स को यातायात नियमों का पालन करने, सड़क पर स्टंट न करने और खुद व दूसरों की जान जोखिम में न डालने की चेतावनी दी। साथ ही उन्हें मौके से वापस लौटा दिया गया।

भाजपा अध्यक्ष का सेक्टर-53 में हुआ भव्य स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-53 स्थित कंचनजंघा मार्केट में वहां के समस्त व्यापारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं तथा नेताओं द्वारा भाजपा के नवनियुक्त नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में महेश चौहान ने कहा कि नोएडा की ग्रामीण और शहरी जनता की समस्याओं का समाधान करना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। समारोह में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी सतपाल यादव, अमित त्यागी, राजेंद्र अवाना, मंडल अध्यक्ष दीनबंधु कुमार, राहुल चौहान, भाजपा किसान मोर्चा के महानगर अध्यक्ष ओमवीर अवाना समेत सैकड़ों कार्यकर्ता, व्यापारी एवं गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

नोएडा बना टेबल टेनिस का हॉटस्पॉट

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सेक्टर-21ए स्थित इंडोर स्टेडियम में इंडियन टेबल टेनिस लीग का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित आठ राज्यों के खिलाड़ी और दो विदेशी टीमें भाग ले रही हैं। आयोजकों के अनुसार, आज सुबह 9 बजे से लीग के दूसरे दिन का मुकाबला हैं, जिनमें क्वार्टर फाइनल और फाइनल मैच खेले जा रहे हैं। स्टेडियम में उमड़ी दर्शकों की भारी भीड़ और तालियों की गूंज ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। आयोजन समिति के संचालक और कोच आशीष हरि ने बताया कि इस लीग का उद्देश्य प्रतिभावान खिलाड़ियों को मंच देना और भारत को टेबल टेनिस में अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना है।

सेक्टर-122 में 85 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का हुआ लोकार्पण

नोएडा (चेतना मंच)। देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव से ओतप्रोत माहौल के बीच सेक्टर-122 में रविवार को 85 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। इस आयोजन में स्थानीय निवासियों, आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि योगेंद्र शर्मा (अध्यक्ष, फोनरवा) रहे। उनके साथ के.के. जैन (महासचिव), सुशील यादव (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), भूषण शर्मा (सह कोषाध्यक्ष), डॉ. उमेश शर्मा (अध्यक्ष, आरडब्ल्यूए), देवेंद्र कुमार (महासचिव), ब्रह्मदत्त शर्मा (कोषाध्यक्ष) तथा अन्य गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे। इन सभी ने कर-कमलों से ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8.30 बजे हीरत शिशोदिया द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत और राष्ट्रगान से हुई, जिसने वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण किया गया, जो पूरे सेक्टर में गौरव और एकता का प्रतीक बनकर लहराएगा।

85 फीट ऊंचा यह ध्वज स्तंभ न सिर्फ भौगोलिक ऊंचाई में बल्कि भावनात्मक रूप से भी निवासियों के आत्मगौरव को ऊंचाई देने वाला साबित हुआ है। समारोह में करीब 150 लोग मौजूद रहे, जिनमें अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी और आरडब्ल्यूए के सदस्य शामिल थे।

मुख्य अतिथि योगेंद्र शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, यह ध्वज न केवल राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक है, बल्कि यह हमें देश के प्रति अपने कर्तव्यों की याद भी निरंतर दिलाता है। अन्य वक्ताओं जैसे ए.के. वर्मा, के.पी. सिंह, राजीव शर्मा और सोनल शर्मा ने भी तिरंगे के महत्व और देशभक्ति की भावना को नई पीढ़ी में जगाए रखने की जरूरत पर बल दिया। समारोह का समापन देशभक्ति गीतों और जलपान के साथ हुआ।

डॉ. अंबेडकर के अधूरे सपनों को भाजपा कर रही है पूरा : वाजपेयी

सामाजिक न्याय व समानता में अंबेडकर जी का योगदान अविस्मरणीय : डॉ. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी, नोएडा द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सेक्टर स्थित कैलाश सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, सांसद डॉ. महेश शर्मा और जिलाध्यक्ष महेश चौहान उपस्थित रहे।

सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के अधूरे सपनों को भाजपा सरकार निरंतर पूरा कर रही है। भाजपा सरकार ने बाबा साहब के सम्मान में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया है, जो बाबा साहब की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बाबा साहब से जुड़े पंचतीर्थों का विकास कर उन्हें यथोचित सम्मान दिया है। बाबा साहब एक महान समाज सुधारक, विधिवेता और संविधान निर्माता थे, जिन्होंने जीवन भर सामाजिक भेदभाव, छुआछूत और असमानता के विरुद्ध संघर्ष किया तथा समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित समाज की नींव रखी।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक न्याय, समानता और संविधान निर्माण में भारत रत्न बाबा साहब का अमर योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनका संपूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने भी बाबा साहब को महान समाज सुधारक, विधिवेता और संविधान निर्माता बताते हुए कहा कि उन्होंने जीवन भर समान अधिकारों और समरसता पर आधारित समाज की स्थापना हेतु संघर्ष किया।

कार्यक्रम में संयोजक गणेश जाटव, सह-संयोजक रवि यादव, विकास कुंडिया, पूर्व विधायक विमला बाथम, पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता, राकेश शर्मा, विनोद त्यागी, उमेश त्यागी, मुकेश चौहान, योगेंद्र चौधरी, डिंपल आनंद, महेश आवना, प्रज्ञा पाठक, अमित त्यागी, ओमवीर आवना, संजय बाली, गोपाल गौर, अशोक मिश्रा, गिरजा सिंह समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

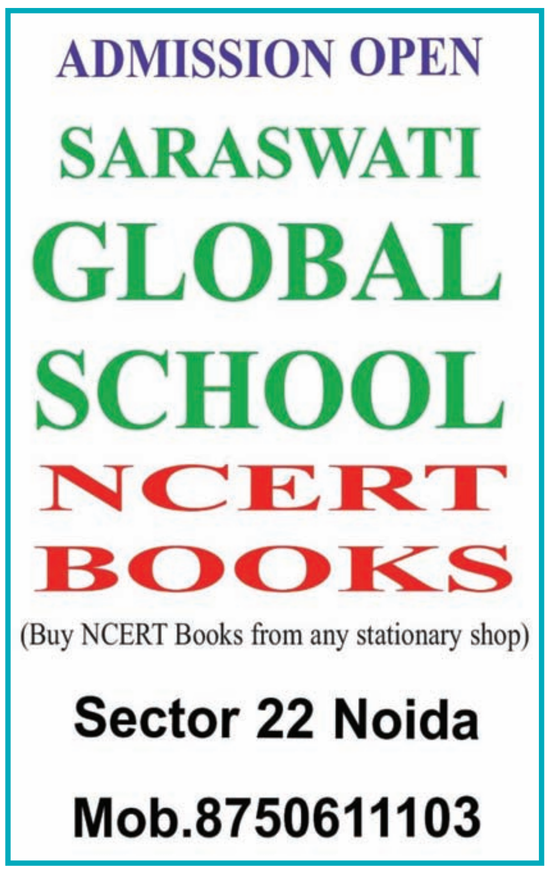

वक्फ पर आदेश

बेशक सर्वोच्च अदालत ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर 'अंतरिम आदेश' जारी किया है, लेकिन कानून पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई है। 'अंतरिम आदेश' भी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के जरिए, केंद्र सरकार की 'अंडरटेकिंग' के बाद ही, जारी किया गया है। केंद्र की सहमति रही कि अगले आदेश तक वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी। यदि राज्य बोर्ड में ऐसी नियुक्ति की जाती है, तो उसे 'शून्य', अमान्य समझा जाए। 'वक्फ बाय यूजर' की संपत्तियों, पंजीकृत, राजपत्रित या गैर-पंजीकृत, को 'डी-नोटिफाई' नहीं किया जाएगा। बताया जाता है कि 'वक्फ बाय यूजर' की 4 लाख से अधिक संपत्तियां हैं। जांच या सर्वे के बाद कलेक्टर वक्फ संपत्ति पर कोई आदेश जारी नहीं करेंगे। इन प्रावधानों पर सॉलिसिटर जनरल ने सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ को आश्वस्त किया है कि यथास्थिति बनी रहेगी। केंद्र 7 दिनों की स्वीकृत अवधि के दौरान अपने साक्ष्यों, दस्तावेजों और दलीलों के साथ जवाब सर्वोच्च अदालत में दाखिल करेगा। वैसे न्यायिक पीठ ने सुनवाई की अगली तारीख 5 मई तय की है, लिहाजा तब तक यथास्थिति बनी रहनी चाहिए। यहां गौरतलब यह है कि 13 मई को प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जस्टिस भूषण गवई अगले प्रधान न्यायाधीश होंगे। जाहिर है कि नए सिरे से न्यायिक पीठ का गठन होगा। नए सिरे से मामले की सुनवाई होगी। सवाल है कि क्या यह मामला शीर्ष अदालत में लंबा खिंचेगा अथवा कुछ लटक कर रह सकता है। जस्टिस खन्ना ने इस मामले को 'अपवाद' के तौर पर ग्रहण किया। वह नहीं चाहते थे कि व्यापक स्तर पर कानूनी सुधार करने से पक्षकारों के मौलिक अधिकार प्रभावित हों, लिहाजा 'अंतरिम आदेश' भी जारी किया गया। बहरहाल वक्फ कानून के कुछ प्रावधानों पर यथास्थिति का 'अंतरिम आदेश' दिया गया है। परोक्ष भाव से उन प्रावधानों पर रोक लगाई गई है, लेकिन संशोधित कानून के लगभग 40 अन्य प्रावधान हैं, जिन पर न तो यथास्थिति का आदेश है और न ही रोक लगाई गई है। अर्थात नया कानून अक्षरशः लागू है। ऐसे बयान ओवैसी जैसे याचिकाकर्ताओं ने दिए हैं। सरकार उन प्रावधानों के तहत कार्रवाई कर सकती है। मुसलमान होने या इस्लाम के 5 साल के अभ्यास वाले प्रावधान को भी न्यायिक पीठ ने छुआ तक नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा है कि यह विशेष स्थिति है। हमने कुछ कमियों की ओर इशारा किया है। कुछ सकारात्मक चीजें भी हैं, लेकिन हम नहीं चाहते कि इतना बड़ा बदलाव किया जाए कि पक्षकारों के अधिकार प्रभावित हों। इस्लाम के 5 साल अभ्यास वाला प्रावधान भी है, लेकिन हम उस पर रोक नहीं लगा रहे।' न्यायिक पीठ ने 'लिमिटेशन एक्ट' वाले प्रावधान को भी नहीं छुआ और न ही उस पर कोई आदेश दिया। ओवैसी का मानना है कि हमें उसका नुकसान होगा, क्योंकि इससे वक्फ संपत्तियों पर कब्जेबाजों को फायदा होगा। बहरहाल यह फिलहाल अंतिम आदेश नहीं है। अभी लंबी कानूनी लड़ाई चलेगी। 'अंतरिम आदेश' पर ही जो नेता और पार्टी प्रवक्ता 'बड़ी जीत', 'मोदी को आईना', 'मोदी सरकार को बहुत बड़ा धक्का' और 'मुंह की खानी पड़ी' सरीखी टिप्पणियां कर फुलफुला रहे हैं, क्या ये अदालत की अवमानना नहीं है? अदालत ने सिर्फ वक्फ के नए कानून पर ही आदेश जारी नहीं किए हैं, बल्कि 1995 और 2013 के वक्फ कानूनों के कई प्रावधानों पर भी नोटिस भेजे हैं। वक्फ गली-गली फैले हैं। वक्फ की करीब 47 फीसदी संपत्तियां पंजीकृत नहीं हैं। ये मुद्दे पहले के संशोधन कानूनों पर बहस के दौरान भी उठे थे, लेकिन कोई आखिरी फैसला नहीं किया जा सका। ज्यादातर मुस्लिम संगठन, पार्टियां और पर्सनल लॉ बोर्ड नए कानून को ही पूरी तरह 'असंवैधानिक' मान रहे हैं, लिहाजा कानून को ही निरस्त करने की मांग कर रहे हैं। घोर आपत्तिजनक बयान भी मौलाना दे रहे हैं। क्या बाद में अदालत इनका भी संज्ञान लेगी, क्योंकि ये देश की एकता, अखंडता और सौहार्द को खंडित करते हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि उनका मुख शरद (पूर्णिमा) के चन्द्रमा के समान छबि की सीमास्वरूप था। गाल और ठोड़ी बहुत सुंदर थे, गला शंख के समान (त्रिरेखायुक्त, चढ़ाव-उतार वाला) था। लाल होठ, दाँत और नाक अत्यन्त सुंदर थे। हँसी चन्द्रमा की किरणावली को नीचा दिखाने वाली थी॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

नव अंबुज अंबक छबि नीकी। चितवनि ललित भावँतीजी की॥
भृकुटि मनोज चाप छबि हारी। तिलक ललाट पटल दुतिकारी॥

नेत्रों की छवि नए (खिले हुए) कमल के समान बड़ी सुंदर थी। मनोहर चितवन जी को बहुत प्यारी लगती थी। टेढ़ी भौंहें कामदेव के धनुष की शोभा को हरने वाली थीं। ललाट पटल पर प्रकाशमय तिलक था॥

कुंडल मकर मुकुट सिर भ्राजा। कुटिल केस जनु मधुप समाजा॥
उर श्रीबत्स रुचिर बनमाला। पदिक हार भूषन मनिजाला॥

कानों में मकराकृत (मछली के आकार के) कुंडल और सिर पर मुकुट सुशोभित था। टेढ़े (घुँघराले) काले बाल ऐसे सघन थे, मानो भौंरों के झुंड हों। हृदय पर श्रीवत्स, सुंदर वनमाला, रत्नजड़ित हार और मणियों के आभूषण सुशोभित थे॥

केहरि कंधर चारु जनेऊ। बाहु बिभूषन सुंदर तेऊ॥
मकरि कर सरिस सुभग भुजदंडा। कटि निषंग कर सर कोदंडा॥

सिंह की सी गर्दन थी, सुंदर जनेऊ था। भुजाओं में जो गहने थे, वे भी सुंदर थे। हाथी की सूँड के समान (उतार-चढ़ाव वाले) सुंदर भुजदंड थे। कमर में तरकस और हाथ में बाण और धनुष (शोभा पा रहे) थे॥

(क्रमशः...)

आखिर न्यायपालिका को 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी?

भारतीय लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका में पारस्परिक टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह जनहित में होना और दिखाई देना चाहिए। लेकिन अब जिस तरह से अपनी नाकामियों और चरित्रहीनता को छिपाने के लिए ये लोग संवैधानिक नियमों का दुरूपयोग कर रहे हैं, वह किसी वैचारिक त्रासदी से कम नहीं है। देश के प्रबुद्ध लोगों को इन संवैधानिक कमियों को पहचानना चाहिए और उसपर अविलंब लीगल सर्जिकल स्ट्राइक करने का दबाव भारतीय संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर बनाना चाहिए।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि राष्ट्रीय संसाधनों के न्यायपूर्ण बंटवारे, विधि-व्यवस्था को बनाए रखने और उसे तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सबको समान रूप से गुणवत्तापूर्ण जन सुविधाएं मुहैय्या करवाने में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों असफल साबित हुए हैं और इनके ऊलजलूल तर्कों से देश इस्लामिक चरमपंथियों के नापाक मंसूबों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ प्रतीत हो रहा है! राष्ट्रपति शासन, आरक्षण विवाद, भाषा विवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि सुलगते सवालों पर राष्ट्र का सही मार्गदर्शन करने में भी ये संस्थाएं विफल प्रतीत हो रही हैं। ऐसे में इनकी नकेल कसने के लिए भारतीय संविधान कभी कारगर साबित हो ही नहीं सकता, क्योंकि यह खुद साम्राज्यवादी मानसिकता वाले विरोधाभासों से भरा पड़ा है।

ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और %सुपर संसद% के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है। देश के विश्वविद्यालयों और अन्य पेशेवर संगठनों को इन पर गौर फरमाते हुए आम राय कायम करने की जरूरत है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर %परमाणु मिसाइल% नहीं दाग सकता!

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आरोप लगाया है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद-142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है जो न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में %पूर्ण न्याय% सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी करने की शक्ति देता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है और कहा है कि, %हमारे पास ऐसे जज हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के काम करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।%

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 17 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार को कहा कि हाल ही में जूडिशरी के एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिये जाने की पनपी नई प्रवृत्ति पर ठीक ही सवाल किया कि हम किस दिशा में जा रहे है? हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है। धनखड़ ने यह टिप्पणी राज्यसभा के ट्रेनीज को संबोधित करते हुए की। उन्होंने ठीक ही कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने कहा कि यह निर्देश किस आधार पर दिए जा रहे हैं? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण पर कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति तथा चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका फले-फूलें। किसी एक के द्वारा दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है।

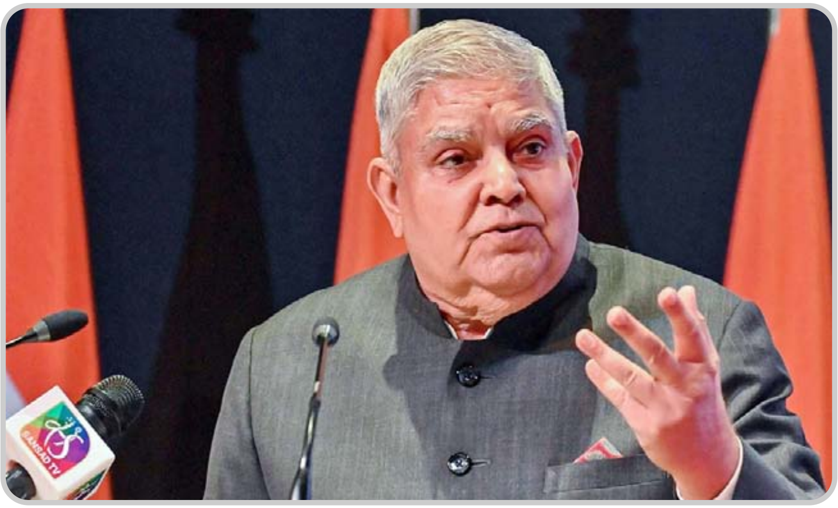

ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर नकदी की बरामदगी से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने ठीक ही कहा कि अगर यह घटना आम आदमी के घर पर हुई होती, तो मामले में रॉकेट की रफ्तार से एफआईआर दर्ज की जाती। जबकि न्यायपालिका की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि किसी संस्था या व्यक्ति को पतन की ओर धकेलने का सबसे पुख्ता तरीका उसे जांच से सुरक्षा की पूर्ण गारंटी प्रदान करना है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली हाइकोर्ट के एक जज के घर मिले कथित कैश की ओर इशारा करते हुए उस पर लीपापोती की नाजायज प्रवृत्ति पर भी सवाल उठाए। धनखड़ ने दो टूक शब्दों में कहा कि हाई कोर्ट के एक जज के घर से मिले कैश से जुड़े मामले में एफआईआर न होना आमलोगों के सवालों के घेरे में है। इसलिए सवाल उठाया कि क्या %कानून से परे एक श्रेणी% को अभियोजन से छूट है। उन्होंने ठीक ही कहा कि जूडिशरी की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का %सुरक्षा कवच% नहीं है। एक पत्रकार के रूप मेरी भी व्यक्तिगत राय है कि न्यायिक भ्रष्टाचार की जांच के लिए न्यायिक पुलिस और पत्रकारिता के भ्रष्टाचार की जांच के लिए मीडिया पुलिस का अविलंब गठन किया जाए। प्रशासनिक व्यवस्था के किसी भी क्षेत्र को स्वनियमन बनाने और लागू करने की छूट नहीं दी जाए।

इसलिए यहां पर सवाल उठता है कि आखिर न्यायपालिका को 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी? मेरा स्पष्ट मानना है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राप्त भारी जनसमर्थन का रणनीतिक दुरूपयोग किया, जिससे न्यायपालिका को विधायिका को दुरुस्त करने का मौका मिल गया, जो अनुचित नहीं है। किसी भी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, राज्यपाल, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री आदि को वोट बैंक के लिहाज से जनविरोधी या राष्ट्र विरोधी फैसले लिए जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। ऐसे में मजबूत व स्वतंत्र न्यायपालिका जरूरी है। लेकिन भ्रष्ट न्यायपालिका कतई नहीं! देश में फैला न्यायिक भ्रष्टाचार हमारी विधायिका की लगभग 8 दशकों की बड़ी लापरवाही है। वहीं, प्रशासनिक भ्रष्टाचार में भी विधायिका का परोक्ष रूप से हिस्सेदार बन जाने की प्रवृत्ति भी अस्वीकार्य है। सारे टकराव की वजह भी यही भ्रष्ट और अनैतिक आचरण है।

मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय संविधान से नौंवी अनुसूची को हटाकर उसमें शामिल किए गए सभी विषयों की न्यायिक समीक्षा होनी चाहिए, ताकि राजनीतिक मनमानी रूके। वहीं, भारतीय प्रशासन को भी जनहित के प्रति जिम्मेदार बनाए जाने की जरूरत है, अन्यथा उनकी लापरवाहियों के लिए स्पष्ट सजा व जुर्माना का प्रावधान हो, ताकि वो पॉलिटिकल एजेंट की तरह काम करने से बाज आएं। कहना न होगा कि देश में जारी राजनीतिक व प्रशासनिक पक्षपात के चलते ही देश में न्यायपालिका को सब पर भारी पड़ने का मौका मिल गया। विभिन राज्यों में राष्ट्रपति शासन का दुरूपयोग, आरक्षण से जुड़े अभिजात्य वर्गों के हितों को अनैतिक संरक्षण, राष्ट्रपति दया याचिका का राजनीतिक प्रयोग तो महज बानगी हैं, जबकि ऐसे कई उदाहरण हैं जहां संसद ने बहुमत से अल्पमत को कुचला है और देशवासी पददलित हुए हैं। हालांकि, संविधान की नौंवीं अनुसूची के चलते वह भी कई विवादास्पद विषयों पर असहाय नजर आई। इसलिए वक्त का तकाजा है कि सबके व्यक्तिगत विशेषाधिकारों को खत्म कर आम आदमी के प्रति उन्हें जिम्मेदार बनाया जाये। यह काम लोकतांत्रिक दबाव समूह ही कर सकते हैं, क्योंकि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका अपने पेशेवर विशेषाधिकार को आसानी से छोड़ेंगे, ऐसा मुझे नहीं लगता!

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

मुर्शिदाबाद हिंसा कांड पर कुछ अनुत्तरित सवाल

पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दु:ख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की। उग्र भीड़ में शामिल आतताइयों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल, अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज्जत और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं। बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग 04 दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं।

और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निमर्म घटनाओं की चैहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की आर्त चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दु:ख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखो देखी घटनाएं टीवी पर बताई। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत ने जैसा टीवी पर बताया उसके अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आतताइयों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भीड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हमलोग चुपचाप देखते रहे।

उक्त घटना के संबंध में एक अन्य बेहद खौफजदां व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की 'ममता' अब तक नहीं जाग पाई है। जरा सोचिए, कि बंगाल के मुर्शिदाबाद के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में हुई हिंसा में कम-से-कम 03 लोगों की जान चली गई, 15 पुलिसकर्मी घायल हुए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि, इस मामले में अब तक 300 से भी ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं, कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 1600 जवान भी तैनात किए जा चुके हैं। हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीबउर रहमान ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इलाके में माहौल शांत है। वैसे, खबरें यह भी आ रही हैं कि प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है। वहीं, पीड़ित हिंदू परिवारों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग की है। उनके भीतर उस उग्र भीड़ का ऐसा खौफ समाया है कि उन्हें लगता है कि यदि बीएसएफ हटी तो फिर से स्थितियां खराब हो सकती हैं।

लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी मृतकों और घायलों से मिलने उनके आंसू पोंछने के बजाए लगभग एक वर्ष के बाद होने वाले बंगाल चुनाव की गोटियां बिछाने में लगी हैं। जाहिर है कि यदि ऐसा नहीं होता तो वह कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम पहुंचकर इमामों से मिलने के बजाए मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के पीड़ित-प्रताड़ित, खौफजदां, बेबस और लाचार भुक्तभोगी परिवारों से मिलने, उनको मदद पहुंचाने और उनका दु:ख-दर्द बांटने जातीं। यदि यह भी मान लें कि उनकी कोई राजनीतिक मजबूरी रही होगी, तो कम-से-कम पीड़ितों को सांत्वना देने और ढाढस बंधाने के लिए वह अपना एक प्रतिनिधि ही भेज देतीं, लेकिन अब तक उन्होंने ऐसा भी नहीं किया है। हां, मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा उन्होंने अवश्य की है। बहरहाल, उक्त घटना के गर्भ से कुछ बेहद गंभीर सवाल उठे हैं, जो सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को कठघरे में खड़े करने की ताकत रखते हैं। जरा सोचिए, कि कहां तो हम बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता करते नहीं अघाते थे, लेकिन हम तो अपने ही घर बंगाल के हिंदुओं की रक्षा कर पाने में असमर्थ साबित होने लगे हैं। और तो और, अब जांच एजेंसियां बता रही हैं कि मुर्शिदाबाद हिंसा की योजना तुर्की में बनाया गया था, जिसे बांग्लादेश के रास्ते बंगाल तक पहुंचाया गया। यह भी, कि इसके लिए बाकायदा 02 महीने पहले ही ट्रेनिंग दी गई थी, जिसमें पुलिस से बचकर दंगा भड़काने और स्थानीय मदरसों से मदद लेने की भी बातें शामिल हैं।

- चेतनादित्य आलोक

राशिफल

बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भावनाओं पर थोड़ा काबू रखें। प्रेम, संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
ग्रह कलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख सम्पदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान भी प्रभावित दिख रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार अच्छा लेकिन निवेश अभी न करें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
ओजस्वी तेजस्वी बने रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान ठीक-ठाक।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। पुराने स्त्रोत से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट कचहरी में जीत होगी। व्यापारिक विस्तार होगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। स्वास्थ्य पहले से अच्छी स्थिति में। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम है। व्यापारिक दृष्टिकोण से पहले से बेहतर समय है

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। प्रेम, संतान मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति पहले से बेहतर होगी।

बाराही मेला में दसवें दिन की सांगीतिक और सांस्कृतिक संध्या ने रचा भावनाओं का संगम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बाराही मेला-2025 का दसवां दिन सूरजपुरवासियों के लिए एक अविस्मरणीय संगीतमय, रंगारंग और भावनात्मक संध्या के रूप में दर्ज हो गया। धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक गौरव और लोक कला की त्रिवेणी ने इस दिन को और भी खास बना दिया।

सांस्कृतिक मंच पर पवन फौजी एंड पार्टी के कलाकारों ने धार्मिक प्रसंगों और ऐतिहासिक कथाओं पर आधारित रागिनियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सवाल-जवाब की चुटीली शैली में प्रस्तुत इन रागिनियों ने मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी दिया।

प्रसिद्ध कलाकार अनुराधा शर्मा, पवन डागर, टीना पटौदी, रिंकू चौधरी और पवन फौजी ने ध्रुव की सौतेली माँ, राजा उत्तानपाद, पत्नी और शराबी पति, बागड़ी-चौधरी, लीलो और चमन जैसे लोकप्रचलित किस्सों पर आधारित रचनाएं बेहद रोचक शैली में प्रस्तुत कीं। विशेष रूप से पवन डागर द्वारा प्रस्तुत रागिनी हे रे अभिमन्यु तेरी विजय हुई ने भावनात्मक श्रोताओं की आंखें नम कर दीं।

करिश्मा प्रजापति ने अपनी मोहक नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं, टीना पटौदी और रिंकू चौधरी ने लुहार और लुहारी किस्से को रंगीन अंदाज़ में मंचित कर ग्रामीण जनजीवन की झलक पेश की।

ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल, सूरजपुर के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपने गीत-संगीत से सभी का दिल जीत लिया। मेरठ से आई शिवानी और दिव्या की भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुतियों ने भी खूब तालियाँ बटोरीं।

ओमवीर बैसला, नरेंद्र शर्मा एंड पार्टी द्वारा सूरजगढ़ का बना सूरजपुर... जैसी रचनाओं ने मेले की आत्मा को जीवंत कर दिया। वहीं, बहुआयामी कलाकार प्रलय किशोर ने बाजे घुंघरू बांध मीरा नाची... गीत की संगीतमय प्रस्तुति से मंच को सुरों से सजा दिया। उनकी प्रस्तुति से प्रभावित होकर समिति अध्यक्ष धर्मपाल भाटी ने उन्हें शिव मंदिर सेवा समिति का कोहिनूर हीरा कलाकार की उपाधि से सम्मानित किया।

चित्रांकन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु बबली पेंटर को सम्मानित किया गया। साथ ही बच्चों को उनकी सुंदर प्रस्तुतियों के लिए माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महामंत्री ओमवीर बैसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिजेंद्र ठेकेदार, सुनील देवधर, विनोद सिकंदराबादी, अनिल भाटी, रवि भाटी, ज्ञानेंद्र देवधर, पवन जिंदल, लीलू भगत जी, और योगेश अग्रवाल सहित कई पदाधिकारी मंच पर उपस्थित रहे।

तहसील संपूर्ण समाधान में 94 शिकायतों में से 8 का निस्तारण

जनता की शिकायतों का निस्तारण समय से करें : डीएम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिले की दादरी, सदर व जेवर तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तीनों तहसीलों में 94 शिकायतें दर्ज हुई, जिसमें से आठ शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

डीएम मनीष कुमार वर्मा ने जेवर तहसील में लोगों की समस्याएं सुनीं। लोगों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 20 शिकायतें दर्ज कराई गई। विभागीय अधिकारियों के माध्यम से एक शिकायत का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। उनका निराकरण सुनिश्चित कराएं, ताकि संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को ऑनलाइन किया जा सके। इस अवसर पर सीएमओ डॉ. नरेंद्र कुमार, एसडीएम जेवर अभय कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

वहीं दादरी तहसील में एडीएम प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। यहां 71 में से 6 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। सदर तहसील में एडीएम एलए बच्चू सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। तीन शिकायतों में से एक का निस्तारण मौके पर किया गया।

डीसीपी ने किया फेस टू थाने का किया औचक निरीक्षण

संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

नोएडा। पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निदेर्शानुसार पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी द्वारा थाना फेस 2 का वार्षिक निरीक्षण किया गया एवं संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल नोएडा द्वारा थाना फेस 2 का वार्षिक निरीक्षण किया गया, उनके द्वारा थाना कार्यालय, कम्प्यूटर कक्ष, साइबर हेल्प डेस्क, डाक कार्यालय, थाना हवालात, थाना मेस, थाना बैरक एवं महिला हेल्प डेस्क, शस्त्रागार आदि का निरीक्षण किया गया।

थाना परिसर का निरीक्षण करते हुए थाना प्रभारी व हेड मोहर्रिर को मालखाने में लंबित पड़े माल का शीघ्र निस्तारण करने, थाना परिसर व थाना बैरक की साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने, आगंतुकों के बैठने की समुचित व्यवस्था रखने व लावारिस वाहनों की प्रक्रिया के अनुरूप नीलामी करने हेतु निर्देशित दिया गया। इसके बाद उनके द्वारा हवालात, मेस व साइबर हेल्प डेस्क व महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण करते हुए हेल्प डेस्क पर नियुक्त पुलिसकर्मियों को पीड़ित की अविलंब सहायता करने, प्रतिदिन प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को रजिस्टर में अंकित करने व सभी शिकायतों का अविलंब गुणवक्तापूर्ण निस्तारण कराने, महिलाओं का फीडबैक लेने हेतु निर्देशित किया गया।

थाना कार्यालय के निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त द्वारा सभी रजिस्टरों को पूर्ण व सही तरीके से रखरखाव रखने हेतु निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी को सभी आने वाले नागरिकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने व लोगों से मृद व्यवहार करने, जनशिकायतों को समयपूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु एवं सभी विवेचकों को लंबित पड़ी विवेचनाओं का जल्द से जल्द समापन करने, पुलिसकर्मियों को सतर्कता से ड्यूटी करने और ड्यूटी के प्रति कर्तव्य, दायित्व और ईमानदारी के साथ ड्यूटी करने के संबंध में निर्देशित किया गया।

भाजपाइयों ने फूंका राहुल और सोनिया गांधी पुतला

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर जिला अध्यक्ष महेश चौहान के मार्गदर्शन तथा भारतीय जनता युवा मोर्चा नोएडा महानगर जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव के नेतृत्व में शनिवार को नोएडा स्टेडियम गेट नंबर 4 पर नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप की चार्जशीट फाइल होने पर पुतला दहन किया गया।

सभी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और सोनिया गांधी के ऊपर भ्रष्टाचार की गंभीर धाराओं में चार्ज शीट फाइल होने पर एक मत होकर उनका पुतला फूंका।

कार्यक्रम में अनुज कश्यप, रामनिवास यादव, विपुल शर्मा, अर्पित मिश्रा, सत्यम सिंह, दीपक मेहरा, गौरव मेहरा, कार्तिकेय शर्मा, जितेंद्र तोमर, पंकज झा, सुनीता शर्मा, लोकेश कश्यप, शिवम पाठक, अनिल पाठक, सौरभ चौहान, दीपक अवाना, विनोद शर्मा धर्मेंद्र गुप्ता सत्यनारायण महावार नीरज चौधरी, रामकिशन यादव, शशिधर उपाध्याय, सुरेंद्र बिष्ट, विनोद शर्मा, प्रज्ञा पाठक, धर्मेन्द्र गुप्ता, लेखराज बेनीवाल, अमित नागपाल, रवि वाल्मीकि, उमंग मित्तल, उमेश त्यागी, डिम्पल आनंद, धर्मेन्द्र चौहान, सुंदर राणा, नरेश शर्मा मोनू जोगी दिनेश पाल, बिरसिंह यादव इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोबाइल टावरों की मशीन चोरी करने वाले दो शातिर चोर पकड़े

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने मोबाइल टावर से मशीन चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर एक और सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो आर.आर.यू. यूनिट मशीनें बरामद की हैं।

थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ लोग मोबाइल टावर से कीमती उपकरण चोरी कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर लोकल इंटेलिजेंस की मदद से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ग्राम सफाबाद से मुखिया मार्केट की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए अखिल कुमार पुत्र सतीश कुमार, मोहित पुत्र किशन के नाम हैं। इन दोनों के कब्जे से मोबाइल टावर से चोरी की गई दो आर.आर.यू. मशीनें बरामद की गई हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इनके गिरोह में और कौन-कौन शामिल है तथा अब तक कितनी वारदातों को अंजाम दिया गया है।

थाना सेक्टर-113 पुलिस की यह कार्रवाई मोबाइल नेटवर्क सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जश्न-ए-भीमोत्सव में गूंजा बाबा साहब का संदेश

अंबेडकर हम सभी के प्रेरणास्त्रोत : असीम अरुण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में डॉ. भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय नोएडा (मुख्यमंत्री अभ्युदय केंद्र) के तत्वावधान में जश्न-ए-भीमोत्सव ङ्क एक शाम बाबा साहब के नाम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन देर रात तक चला और इसमें बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों एवं छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश के स्वतंत्र प्रभार मंत्री असीम अरुण ने बाबा साहब के विचारों और योगदान को याद करते हुए कहा, डॉ. अंबेडकर हम सभी के प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने जाति, धर्म और संप्रदाय के भेदभाव को समाप्त करने का जो कार्य किया, वह अतुलनीय है। आज उनके सिद्धांतों को अपनाने की सबसे अधिक आवश्यकता है।

मंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए कहा कि, यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं, तो आप एक व्यक्ति को शिक्षित करते हैं, लेकिन यदि आप एक महिला को शिक्षित करते हैं, तो आप पूरे समाज को शिक्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि आज सभी वर्ग और लिंग समान अधिकार के साथ खड़े हैं, जो बाबा साहब के संघर्षों का परिणाम है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री असीम अरुण ने डॉ. भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय से शिक्षा प्राप्त कर सफलता अर्जित करने वाले 31 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इनमें आईएएस परीक्षा 2023 में 948वीं रैंक प्राप्त करने वाली सुश्री पिंकी मसीह प्रमुख रहीं।

कार्यक्रम के दौरान पुस्तकालय की छात्राओं ङ्क अनुसुइया, शिवानी, हैप्पी, यश और मोहिनी ने देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनकी उपस्थितजनों ने खूब सराहना की।

इस मौके पर दलित उत्थान सेवा समिति के अध्यक्ष पीतम सिंह, संरक्षक गणेश जाटव, बालक राम प्रधान, महामंत्री सत्यपाल सिंह, गोपाल चौधरी, दीपचंद जाटव, जगत चौधरी, रोहित चौधरी, अजय गौतम, राजकुमार, हुकम सिंह, विजय कुमार पप्पू, खेमचंद, अमर सिंह, चंद्रबोस जाटव, सोहनलाल, राजेंद्र जाटव, वीर सिंह पंडित सहित समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार एवं कई अन्य सम्मानित व्यक्ति मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

ट्रैक्टर और ट्रक की भिड़त में युवक की मौत

दादरी। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पेरीफेरल पर सुबह के समय ट्रैक्टर एवं ट्रक की आपस में भिड़त हो गई जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए और एक की उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए शव भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार सुबह के करीब 5ः00 बजे ट्रैक्टर और ट्रक गाजियाबाद की तरफ जाते हुए बंबावड़ के समीप टकरा गए जिसमें इलाज के दौरान अनवर 50 वर्ष की मौत हो गई तथा दिलशाद जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।

महिला कोच में यात्रा, आधा दर्जन लोग गिरफ्तार

दादरी। आरपीएफ पुलिस ने चेकिंग के दौरान महिला कोच में यात्रा करते हुए आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया है।

रेलवे पुलिस फोर्स के अधिकारी अनिल कुमार ने बताया है महिला कोच में पुरूषों द्वारा यात्रा करने की शिकायत पहले से ही मिल रही थी इसी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दिनेश कुमार पुत्र मूलचंद निवासी हाथ खोली जिला मथुरा, सनी कुमार पुत्र नरेंद्र सिंह निवासी भोगपुर, चंदौस पुत्र गुल मोहम्मद निवासी सिकंदराबाद, वसीम पुत्र यामीन निवासी नई आबादी दादरी, निकेत राघव पुत्र अखिलेश निवासी समाधिपुर, विकास सोलंकी पुत्र प्रेम सिंह निवासी चोला स्टेशन जिला बुलंदशहर महिला कोच में यात्रा करते समय दादरी स्टेशन से गिरफ्तार किया है।

खास खबर

जाइडस मेडटेक और ब्रेल बायोमेडिका के बीच करार

मुंबई। औषधि निर्माता बहुराष्ट्रीय कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जाइडस मेडटेक ने ब्राजील की अग्रणी हृदय उपकरण निर्माता ब्रेल बायोमेडिका के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (टीएवीआई) तकनीक का यूरोप, भारत और अन्य चुनिंदा बाजारों में विशेष रूप से व्यावसाय करेंगी। यह सहयोग जाइडस मेडटेक के तेजी से विस्तार कर रहे इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी पोर्टफोलियो को मजबूती प्रदान करेगा। टीएवीआई एक मिनिमली इनवेसिव हृदय प्रक्रिया है, जो विशेषकर उच्च शल्य जोखिम वाले या वृद्ध मरीजों के लिए प्रभावी विकल्प मानी जाती है।

मुंबई एयरपोर्ट नौ मई को छह घंटे बंद रहेगा

मुंबई। शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर उड़ान संचालन मानसून की शुरूआत से पहले हवाई पट्टी के रखरखाव के कारण नौ मई को छह घंटे के लिए बंद रहेगा। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) ने यह भी कहा कि सभी हितधारकों को सूचित करने के लिए अनिवार्य नोटम (एयरमैन को नोटिस) छह महीने पहले जारी किया गया था। निजी क्षेत्र के परिचालक ने कहा कि दोनों हवाई पट्टी- 09/27 और 14/32 पर मानसून से पहले होने वाला रखरखाव कार्य नौ मई को सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा।

सोने की कीमत में रिकॉर्ड मुनाफावसूली से आई गिरावट

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में एमसीएक्स गोल्ड की कीमत में 24.71 प्रतिशत की बढोतरी के बाद, हाल ही में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमतों में गिरावट अंकित की गई है। निवेशकों ने रिकॉर्ड ऊंचाई को छूकर मुनाफा वसूलते हुए सोना 10 ग्राम के 95,935 रुपये के ऑल-टाइम हाई से नीचे आ गया है। इसके साथ ही स्पॉट गोल्ड और यूएस फ्यूचर्स में भी गिरावट दर्ज की गई है। मध्य पूर्व और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, निवेशकों की मांग और गोल्ड ईटीएफ में बढ़त को ध्यान में रखते हुए, सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही थी।

ब्लूस्मार्ट के बंद होने से उबर को हो सकता है बड़ा फायदा

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों में भारत में इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवाओं की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में ब्लूस्मार्ट नामक कंपनी ने एक अग्रणी स्थान बनाया था, लेकिन हाल ही में इस कंपनी ने अचानक अपनी सेवाएं बंद कर दी है। इस निराशाजनक दृश्य के परिणामस्वरूप, उबर को अब अधिक ग्राहकों के प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल सकता है। बाजार में चर्चाओं की न्यूनतम कीमत की अनुस्मारक, उबर ने एक उच्च स्थान बनाया है और यह अब ब्लूस्मार्ट की जगह लेने के लिए तैयार है। ग्राहकों की सुझावों की ओर से भी यह स्पष्ट है कि उबर उनका पसंदीदा विकल्प है, और उसके जरिए ही वे आगे की यात्रा करना चाहते हैं। गुरुग्राम के एक ब्लूस्मार्ट उपयोगकर्ता ने उबर की महत्वपूर्णता को स्वीकार किया है, और उसने अपने उपयोग की तारीफ की है। इसके साथ ही, एक अन्य सदस्य ने भी उबर को चुनने का कारण बताते हुए कहा कि उबर की सुविधाएं और सुरक्षा की व्यवस्था अन्य कंपनियों के मुकाबले बेहतर हैं।

डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप कर छूट के लिए पात्र

नई दिल्ली। भारत के युवा उद्यमियों और स्टार्टअप चलाने वाले एन्टरप्रिन्योर के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए नए नियमों के अनुसार डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप विभिन्न कर छूट के लिए पात्र माने जाएंगे। इसके साथ ही उन्हें निवेश पर भी लाभ मिलेगा और इसमें जांच के अधीन नहीं होगा। आयकर विभाग ने एक ट्वीट के माध्यम से यह सूचना जनता तक पहुंचाई, जिसमें उन्होंने दशार्या कि मान्यता प्राप्त स्टार्टअप जो निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं।

2000 से ज्यादा के यूपीआई पर जीएसटी नहीं लगाएगी सरकार : निर्मला सीतारमण

- सोशल मीडिया में चल रही खबरें झूठी और भ्रामक
- यूपीआई के विकास को समर्थन बनाए रखने के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना चालू है

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले वित्तवर्ष में यूपीआई ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड 260.56 लाख करोड़ रुपये पहुंचने के उत्साहजनक खबरों के बीच लोगों को जैसे ही पता चला कि सरकार 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर जीएसटी वसूलने की तैयारी कर रही है, सब निराश हो गए। सोशल मीडिया पर इसे लेकर यूजर्स की नाराजगी साफ दिखने लगी। बात इतनी बढ़ गई कि वित्त मंत्रालय को खुद आकर पूरी बात बतानी पड़ी। वित्त मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी कर बताया कि 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी लगाने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। सोशल मीडिया में चल रही इस तरह की खबरें पूरी तरह झूठी, भ्रामक और बिना किसी आधार के वायरल हो रही हैं। साफ कर दिया है कि यूपीआई पर किसी भी तरह का जीएसटी नहीं वसूला जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने आगे कहा कि कुछ उपकरणों के जरिये भुगतान जैसे क्रेडिट कार्ड आदि पर लगने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर ही जीएसटी लगाया जाता है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि जनवरी 2020 से केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने व्यक्ति-से-व्यापारी यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर हटा दिया है. चूंकि, वर्तमान में यूपीआई लेनदेन पर कोई एमडीआर नहीं लगाया जाता है, लिहाजा इस तरह के लेनदेन पर कोई जीएसटी लागू नहीं होता है। मंत्रालय ने अपने स्पष्टीकरण में बताया है कि यूपीआई के विकास को समर्थन बनाए रखने के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना चालू है। यह योजना विशेष रूप से कम-मूल्य वाले यूपीआई लेनदेन को प्रोत?साहित करती है, ताकि छोटे व्यापारियों को लेनदेन की लागत में राहत मिल सके और डिजिटल भुगतान में व्यापक भागीदारी बढ़ाई जा सके।

सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी तेजी रही

- सेंसेक्स 1.96 प्रतिशत उछलकर 78,553 पर बंद
- निफ्टी 1.77 प्रतिशत बढ़कर 23,851.65 पर बंद

एजेंसी

मुंबई। बीते सप्ताह अवकाश की वजह से कम दिन हुए कारोबार में घरेलू शेयर बाजार ने अपना दमखम बरकरार रखा और साप्ताहिक आधार पर बाजार फरवरी 2021 के बाद सबसे बढ़ी वीकली बढ़त लेकर बंद हुए। बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर दो फीसदी की तेजी देखी गई। सोमवार को भारतीय बाजार आंबेडकर जयंती के मौके पर और शुक्रवार को गुड फ्राइडे के अवसर पर बद रहे। इसलिए बाजार में केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ, जो इस प्रकार है- घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में जबरदस्त तेजी देखी गई। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 1,750.37 अंक उछलकर 76,907.63 अंक पर खुला और 1,577.63 अंक चढ़कर 76,734.89 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 539.8 अंक बढ़कर 23,368.35 अंक पर खुला और 509.91 अंक मजबूत होकर 23,338.45 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 165.3 अंक गिरकर 76,569.59 अंक पर खुला और 309.40 अंक चढ़कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,044.29 पर बंद हुआ। निफ्टी 51.55 अंक गिरकर 23,277 अंक पर खुला और 108.65 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 23,437.20 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट देखी गई।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौता

शर्तों टीओआर में करीब 19 अध्याय शामिल हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए दोनों देशों द्वारा अंतिम रूप दिए गए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) में करीब 19 अध्याय शामिल हैं। इनमें माल, सेवाओं और सीमा शुल्क की सुविधा जैसे मुद्दों को शमिल किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि वार्ता को और अधिक गति देने के लिए भारत की एक आधिकारिक टीम अगले हफ्ते वाशिंगटन का दौरा कर रही है, ताकि प्रस्तावित भारत-अमेरिकी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने से पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर किया जा सके। भारत के मुख्य वातार्कार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच पहले व्यक्ति की बातचीत के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। राजेश अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगले वाणिज्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। वह 1 अक्टूबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। जानकारी के मुताबिक वाशिंगटन में अमेरिकी समकक्षों के साथ तीन दिवसीय भारतीय आधिकारिक टीम की बातचीत बुधवार, 23 अप्रैल से शुरू होगी।

ट्रंप के गुस्से का शिकार हुए पॉवेल, हटाने की तैयारी शुरू

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने तानाशाही रूप का परिचय देना जारी रखा है, जब उन्होंने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चीफ जेरोम पॉवेल की ब्याज दरें घटाने की मांग की थी और उनके फैसले को मानने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। ट्रंप के इस गुस्से का शिकार अब भूमिकाधारक योगदान देने वाले पॉवेल हैं, जिनके हटाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। पॉवेल ने ट्रंप की इस मांग को मानने से इनकार कर दिया था, जिससे ट्रंप का दिल और भी बुरा हो गया। अब सरकार इन्हें अपनी बाधा मानते हुए कुर्सी से हटाने के लिए उनकी तलाश में है। इस विवाद की गतिविधियों में शामिल होने वाले नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के निदेशक ने भी इस दिशा में संकेत दिया है।

28 किलो के लहंगे में रैंप पर तलवार चलाती अदा शर्मा

मुंबई। अदा शर्मा को उनकी पहली डरावनी फिल्म 1920 से लेकर केरल की कहानी तक उनके दमदार प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। वह अपने सिलंबम और कल्लरीपैतु कौशल के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 28 किलो का लहंगा पहनकर शोस्टॉपर के रूप में रैंप पर अपने प्रशंसकों को तलवारबाजी का आनंद दिया। अदा कहती हैं, हमें लगा कि यह एक अच्छा ट्विस्ट होगा, शो की थीम की तरह नाटकीय। मुझे लगता है कि एक्शन मूव्स बेहद फैशनेबल हैं और मुझे योद्धा राजकुमारी का लुक बहुत पसंद आया। थीम मोर थी और मेरी तलवार से यह किसी भी ऐसे व्यक्ति को दूर भगाने का एक प्रतीकात्मक तरीका था जो वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाना चाहता है। अदा कथित तौर पर चांदनी बार सीक्वल में भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं और रीता सान्याल सीजन 2 में भी दिखाई देंगी, जो एक बायोपिक और एक अंतर्राष्ट्रीय एक्शन फिल्म है। अदा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक बीएम गिरिराज की फिल्म में देवी की भूमिका भी निभा रही हैं, जो हिंदी, कन्नड़ और तमिल में त्रिभाषी होगी।

नई स्कोडा कोडिएक को पेश किया

जमशेदपुर। इंडिया ने काइलैक रेंज के सफल लॉन्च के बाद अब अपनी लग्जरी 4X4 एसयूवी कोडिएक की नई जनरेशन लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कोडिएक की दूसरी जनरेशन है, जो भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पेश की जा रही है। भारत में यह कार लग्जरी लुक, बेहतर आराम, ऑफ-रोड चलने की ताकत, शानदार रोड परफॉर्मेंस और सात सीटों की सुविधा के साथ आ रही है। पेट्र जैनेबा, ब्रांड डायरेक्टर ने कहा, मार्च में, काइलैक की लॉन्चिंग और कुशाक व स्लाविया के सपोर्ट से हमने भारत में अपनी सबसे बड़ी मासिक बिक्री हासिल की। हमारी प्रोडक्ट रणनीति के तहत, नई कोडिएक का लॉन्च हमारे प्रोडक्ट रेंज के दूसरे पहलू को दिखाता है, जिसमें स्कोडा की लग्जरी और टेक्नोलॉजी की ताकत झलकती है।

वैश्विक अनिश्चितता से सोने का आयात 192 फीसदी बढ़ा

- सोने का आयात मार्च, 2025 में 4.47 अरब डॉलर
- फरवरी, 2025 में 62 फीसदी की गिरावट देखी गई
- जनवरी में 40 और दिसंबर, 2024 में 55 फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। टैरिफ वार के कारण दुनियाभर में उपजी वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश का सोना आयात मार्च, 2025 में 192.13 फीसदी की भारी बढ़ोतरी के साथ 4.47 अरब डॉलर पहुंच गया। चालू खाता घाटे पर असर डालने वाले सोना के आयात में फरवरी, 2025 में करीब 62 फीसदी की गिरावट आई थी, जबकि जनवरी में इसमें 40.8 फीसदी और दिसंबर, 2024 में 55.39 फीसदी का उछाल देखने को मिला था। हालांकि, मार्च में चांदी का आयात 85.4 फीसदी घटकर 11.93 करोड़ डॉलर रह गया। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष 2024-25 में सोने का आयात 27.27 फीसदी बढ़कर 58 अरब डॉलर पहुंच गया, जो 2023-24 में 45.54 अरब डॉलर रहा था। देश के कुल आयात में सोने की हिस्सेदारी 8 फीसदी है। बीते वित्त वर्ष में चांदी का आयात 11.24 फीसदी घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गया। कीमतों में लगातार उछाल के बावजूद बहुमूल्य धातु के आयात में वृद्धि से संकेत मिलता है कि निवेशकों का सोने पर भरोसा मजबूत बना हुआ है, क्योंकि यह निवेश का एक सुरक्षित साधन है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और कई देशों में तनाव के बीच सोने की ओर एसेट डायवर्सिफिकेशन, केंद्रीय बैंकों के बीच बढ़ती मांग और कीमतों में उछाल भी आयात वृद्धि के कारक हो सकते हैं।

इंस्टर ने 2025 वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीता

नई दिल्ली। गुणवत्तायुक्त कारें निर्माण करने वाली कंपनी हुंडई की छोटी इलेक्ट्रिक कार इंस्टर ने 2025 वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इंस्टर ने पोर्श मैकन और किआ ईवी3 जैसी लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों को पीछे छोड़ते हुए यह अवॉर्ड अपने नाम किया इस कार को 2025 वर्ल्ड अर्बन कार और वर्ल्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल कैटेगरी के लिए भी नोमिनेट किया गया था। इस अवॉर्ड का ऐलान न्यूयॉर्क इंटरनेशनल ऑटो शो में किया गया। मोटर कंपनी के प्रेसिडेंट और सीईओ जोस मुनोज ने इस सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि इंस्टर ग्राहकों के बीच हमेशा पसंद की गई है।

ट्रंप के टैरिफ से आंध्र प्रदेश के झींगा व्यवसायी मायूस

झींगे की कीमतों में 10-15 फीसदी की आ सकती है गिरावट

एजेंसी

मुंबई। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जब से जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की तो देश भर के झींगा प्रेमी सबसे अधिक मायूस हो गए। अमेरिका से करीब 13,000 किलोमीटर अधिक दूर आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के लक्ष्मीपुरम-पल्लीपलेम क्षेत्र के हरेभरे इलाके में एक बुजुर्ग झींगा किसान ने जवाबी शुल्क के बारे में कभी नहीं सुना था। लेकिन अब वह तेलुगु, टूटी-फूटी अंग्रेजी और हिंदी की मिलीजुली भाषा में ट्रंप शुल्क के प्रभाव को साफ तौर पर बता पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप मेरे झींगा कारोबार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उनके जैसे तमाम झींगा किसानों को हाल के वर्षों में वायरस की मार झेलनी पड़ी थी। अब उन्हें अमेरिका में उच्च शुल्क का दंश महसूस हो रहा है क्योंकि इससे झींगे की कीमतों में 10-15 फीसदी की गिरावट दिख सकती है। उन्हें लगता है कि ट्रंप शुल्क उनकी पूरी कमाई को ही खत्म कर देगा। यह केवल एक किसान की ही कहानी नहीं है। आंध्र प्रदेश में 1.4 लाख से अधिक किसान और करीब 20 लाख लोग प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर जलीय कृषि क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। राज्य में यह क्षेत्र करीब 2.12 लाख हेक्टेयर में फैला हुआ है।

मारुति सुजुकी और टोयोटा ने की साझेदारी

नई दिल्ली। गुणवत्तायुक्त कारें निर्माण करने वाली कंपनी मारुति सुजुकी और टोयोटा ने एक साझेदारी की है जिसके तहत कई मॉडल एक ही प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें मारुति सुजुकी फ्रोंक्स और टोयोटा अर्बन क्रूजर टैसर प्रमुख हैं। दोनों कारें देखने में समान लगती हैं, लेकिन उनकी बिक्री में बड़ा अंतर है। अब टैसर की रियल वर्ल्ड माइलेज डिटेल सामने आई है। खास बात यह है कि फ्रोंक्स और टैसर में एक जैसे इंजन का उपयोग किया गया है, जिनमें टर्बो पेट्रोल मैनुअल इंजन ऑप्शन शामिल है। टैसर में 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड और 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन ऑप्शन मिलते हैं। 1.2-लीटर इंजन 89बीएचपी की पावर और 113एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है।

अमेज और एलिवेट एसयूवी के लिए सीएनजी रेट्रोफिट किट लांच

एजेंसी

नई दिल्ली। होंडा कार्स इंडिया ने अपनी पॉपुलर कारों अमेज और एलिवेट एसयूवी के लिए सीएनजी रेट्रोफिट किट लॉन्च की है। भारत में डीजल कारों की संख्या कम होने के साथ ही लोग अब सीएनजी को एक बेहतर विकल्प के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि यह ना सिर्फ सस्ता है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी उपयुक्त है। ये किट्स सरकारी मान्यता प्राप्त हैं और डीलरशिप पर इंस्टॉल की जाएंगी। पहले होंडा केवल पेट्रोल इंजन वाली कारें बेचती थी, लेकिन अब कंपनी ने सीएनजी ऑप्शन भी पेश किया है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि ये सीएनजी किट्स फैक्ट्री-फिटेड नहीं होंगी, बल्कि डीलरशिप पर इंस्टॉल की जाएंगी। कुछ विशेष डीलर्स ही यह किट्स इंस्टॉल करेंगे, और इसका काम प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा किया जाएगा। इंस्टॉलेशन के बाद कार का रजिस्ट्रेशन पेट्रोल और सीएनजी दोनों के तौर पर कराना होगा। इस समय, यह कंफर्म नहीं है कि होंडा की सिटी को भी यह सीएनजी किट मिलेगी या नहीं। फिलहाल, कंपनी ने केवल अमेज और एलिवेट के लिए इस सुविधा की घोषणा की है। हालांकि, कंपनी ने सीएनजी किट्स के साथ गाड़ियों की माइलेज के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है।

भारत ने समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार की पहली खेप निर्यात की

- महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से अनार न्यूयॉर्क निर्यात किया गया
- भारत सरकार वैश्विक बाजार के लिए भारतीय ताजा फलों को बढ़ावा देने में अग्रणी रही है

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने महाराष्ट्र से अमेरिका के लिए भारतीय अनार की पहली वाणिज्यिक समुद्री खेप भेजी है। पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। पहले पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था। अब उद्योग लागत प्रभावी और टिकाऊ समुद्री मार्ग माल ढुलाई के लिए अपना रहा है। मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार भारत ने पिछले महीने भारतीय अनार के 4,620 बक्सों की पहली समुद्री खेप, जिसका वजन लगभग 14 टन था, मार्च के दूसरे सप्ताह में अमेरिका के पूर्वी तट पर पहुंच गई। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से यह अनार अमेरिका के न्यूयॉर्क को निर्यात की गई है। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने कहा, भारत सरकार वैश्विक बाजार के लिए भारतीय ताजा फलों को बढ़ावा देने में अग्रणी रही है। एपीडा पहले ही अनापत्ति कार्यक्रम के लिए वित्त व्यवस्था करके अमेरिका में आम और अनार जैसे भारतीय फलों के निर्यात में सहायता कर रहा है। उन्होंने कहा कि अनार की बेशकीमती भारतीय भगवा किस्म की ऐतिहासिक वाणिज्यिक समुद्री खेप सफलतापूर्वक अमेरिका पहुंच गई है, जो देश के ताजे फलों के निर्यात के लिए मील का पत्थर है।

भारतीय दवा कंपनियों की नजर 145 अरब डॉलर के अमेरिकी कैंसर दवा बाजार पर

नई दिल्ली। भारतीय दवा कंपनियां 145 अरब डॉलर के अमेरिकी कैंसर दवा बाजार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी दवा बाजार हर साल 11 फीसदी चक्रवृद्धि दर के हिसाब से बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ महीनों से कई भारतीय दवा कंपनियों को कैंसर की जेनेरिक दवाइयों के लिए अमेरिकी औषधि नियामक (यूएसएफडीए) से मंजूरी मिली है, जिससे अमेरिकी बाजार में जेनरिक और बायोसिमिलर दवाओं में प्रवेश लगातार बढ़ा है। साल 2024 में अमेरिकी कैंसर दवा बाजार का मूल्य 145.52 अरब डॉलर आंका गया था और साल 2034 तक इसके 416.93 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इस लिहाज से देखा जाए तो साल 2025 से 2034 के बीच इसके सालाना 11.1 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है। जानकारों का मानना है कि सिप्ला, बायोकॉन बायोलॉजिक्स और जायडस लाइफसाइंसेज को मिली मंजूरी कैंसर उपचार के जटिल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की बढ़ती क्षमताओं और आकर्षक अमेरिकी बाजार में उनकी बढ़ती उपस्थिति की ओर इशारा करते हैं। भारतीय कंपनियां पिछले कुछ समय से जटिल जेनेरिक पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जो उन्हें अमेरिका में जेनेरिक क्षेत्र में मूल्य निर्धारण के दबाव से भी कहीं न कहीं बचाता है।

खास खबर

भारतीय मूल की छात्रा को मारी गोली, मौके पर ही मौत

ओंटारियो। हैमिल्टन, ओंटारियो में मोहॉक कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा भारतीय मूल की हरसिमरत रंधावा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के दौरान छात्रा बस स्टॉप पर खड़ी थी और बस का इंतजार कर रही थी। तभी एक कार सवार ने गोली चला दी। हैमिल्टन पुलिस हत्या की जांच कर रही है। उसका कहना है कि रंधावा निर्दोष थीं। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा, हैमिल्टन, ओंटारियो में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की दुखद मौत से हम बहुत दुखी हैं। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा, हम ओंटारियो के हैमिल्टन में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की दुखद मौत से दुखी हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार, वह एक मासूम थी। वह दो गाड़ियों के बीच हुई गोलीबारी में आवारा गोली से मारी गई। हत्या की जांच चल रही है। हम उनके परिवार के संपर्क में हैं।

रेप मामले में कोर्ट ने 20 दिन में सुनाई सजा

नई दिल्ली। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने 16 साल की नाबालिग बच्ची से रेप और गर्भवती करने के मामले में 45 वर्षीय आरोपी चाचा को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस बेहद संवेदनशील मामले में कोर्ट ने मात्र 20 दिन में फैसला सुनाते हुए कहा कि दोषी को जिंदगी भर जेल में रहना होगा। यह मामला पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत दर्ज किया गया था। अदालत ने पीड़िता को 19.5 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश भी दिया है। एडिशनल सेशन जज (एएसजे) बबीता पुनिया ने कहा कि आरोपी की उम्र और पीड़िता के बीच लगभग 30 साल का अंतर है, जिससे यह अपराध और भी गंभीर हो जाता है। जज पुनिया ने अपने आदेश में कहा, कि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि पीड़िता ने अत्यंत पीड़ादायक अनुभव सहा है। आरोपी उसका भरोसेमंद था, जिसे वह चाचा कहती थी। यही विश्वास उसने तोड़ा और कई बार यौन शोषण किया।

सड़क हदसे में दो युवकों की मौत

पठानकोट। दिल्ली से श्रीनगर जा रही एक इनोवा कार पंजाब के पठानकोट में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में दिल्ली निवासी दो युवकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना का कारण ड्राइवर को नींद की झपकी आना बताया जा रहा है। हादसा माधोपुर के पास हुआ, जब इनोवा कार (नंबर डीएल 10 सीएक्स 8104) का अचानक संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गई। कार में कुल 6 लोग सवार थे, जो सभी दिल्ली से श्रीनगर यात्रा पर निकले थे। इस हादसे में मृत हुए लोगों की पहचान सुशील कुमार और नरेश कुमार के रूप में हुई है। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को पठानकोट के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हादसे की सूचना मिलते ही सुजानपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल पठानकोट भेजा दिया। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को नींद की झपकी लगी थी, जिसके कारण कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

मुस्तफाबाद में इमारत ढहने से एक ही परिवार के 8 लोगों समेत 11 की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शनिवार तड़के एक इमारत ढह गई, जिसके मलबे में कई लोग फंस गए। अबतक इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें से 8 लोग एक ही परिवार के हैं। हादसे में मकान मलिक तहसीन (60) की भी मौत हो गई है। मौके पर एनडीआरएफ, दमकल, दिल्ली पुलिस और स्थानीय लोग बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। चार मंजिला इमारत आज तड़के 2.39 बजे अचानक जमींदोज हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने इस हादसे में 11 लोगों के मरने की पुष्टि करते हुए इनके नामों की सूची भी जारी की है। मृतकों में तीन महिलाएं और चार बच्चे भी हैं। इनमें आठ लोग एक ही परिवार के हैं। हादसे में 11 लोग घायल हुए, जिनमें से 6 को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और 5 का इलाज अब भी जारी है। माना जा रहा है कि हादसे के समय इमारत में 22 से 24 लोग मौजूद थे। एनडीआरएफ के अधिकारियों के मुताबिक उनकी टीम आज सुबह 4.50 बजे घटना स्थल पर पहुंची थी। उनके पहुंचने से पहले ही 10 से 15 लोगों को स्थानीय लोगों और अन्य एजेंसियों ने मलबे से निकाल लिया था। अबतक एनडीआरएफ ने 8 लोगों को निकाला है, जिनमें से 7 अचेत अवस्था में थे। एक महिला को जिंदा बचाया गया है। डिविजनल फायर ऑफिसर राजेंद्र अटवाल के मुताबिक फायर ब्रिगेड को सुबह करीब 2:50 बजे एक मकान ढहने की सूचना मिली थी। हम मौके पर पहुंचे और पाया कि पूरी इमारत ढह गई है और लोग मलबे में फंसे हुए हैं।

भारत की आपत्ति के बाद रद्द हुआ श्रीलंका और पाकिस्तान सैन्य अभ्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका के त्रिंकोमाली तट के निकट होने वाला सैन्य अभ्यास रद्द हो गया है। भारत की आपत्ति के बाद श्रीलंका और पाकिस्तान का यह प्रस्तावित अभ्यास फिलहाल रोक दिया गया है। यह वही त्रिंकोमाली है जहां भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) मिलकर एक ऊर्जा हब विकसित कर रहे हैं। भारत ने इस अभ्यास को लेकर अपनी चिंताओं को श्रीलंका सरकार के समक्ष दृढ़ता से उठाया, जिसके बाद इस योजना को रद्द कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, यह नौसैनिक अभ्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीलंका यात्रा से कुछ सप्ताह पहले प्रस्तावित किया गया था। मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका के बीच पहली बार एक रक्षा सहयोग समझौता हुआ, साथ ही यूएई के साथ त्रिपक्षीय ऊर्जा परियोजना को लेकर भी एक समझौता हुआ जिसमें मल्टी-प्रोडक्ट पाइपलाइन और द्वितीय विश्व युद्ध के समय के तेल टैंक फार्म का विकास शामिल है। भारतीय अधिकारियों को जैसे ही इस संयुक्त अभ्यास की जानकारी मिली, कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने श्रीलंकाई प्रशासन से संपर्क किया और इस पर गहरी चिंता जताई। भारत ने साफ कहा कि इस क्षेत्र में उसके महत्वपूर्ण रणनीतिक हित हैं और इस तरह के अभ्यास भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह अभ्यास पाकिस्तान की ओर से जानबूझकर भारत को उकसाने की कोशिश के रूप में देखा गया। इसके बाद श्रीलंकाई प्रशासन ने चुपचाप इस अभ्यास को रद्द कर दिया, हालांकि पाकिस्तानी पक्ष ने इसका विरोध किया था।

इजराइली सेना गाजा में बरसा रही बम, बच्चों समेत 25 की मौत

▸ हमास फलस्तीनी और क्षेत्र छोड़ने की कर रहा बात, इजरायल बंधकों की रिहाई पर अड़ा

एजेंसी

तेलअवीव। गाजा में शुक्रवार को इजराइली हवाई हमलों में बच्चों समेत कम से कम 25 आम नागरिक की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में गाजा में नासिर अस्पताल के कर्मियों ने बताया कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में इजराइल के हमलों में 15 लोग मारे गए, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है। मृतकों में शामिल 10 लोग जवालिया शरणार्थी शिविर के हैं। इजराइली हमले तेज होने के बाद गाजा में एक दिन पहले कई लोग मारे गए थे। इजराइल में नियुक्त अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी शुक्रवार को ह्वावेस्टर्न वालह पहुंचे जो यरूशलम के पुराने शहर में यहूदियों का एक प्रमुख प्रार्थना स्थल है। हकाबी ने दीवार पर एक प्रार्थना पत्र को भी संलग्न किया जिस बारे में उन्होंने बताया कि इसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हाथों से लिखा है। हकाबी ने बताया कि ट्रंप ने उन्हें यरूशलम में शांति के लिए उनके प्रार्थना पत्र को लेकर जाने को कहा था। हकाबी ने कहा कि हमास की गिरफ्त में मौजूद शेष सभी बंधकों को वापस लाने के लिए कोशिश की जा रही है। गाजा में 18 महीने से जारी युद्ध के महत्वपूर्ण समय में हकाबी का आगमन हुआ है। अमेरिका समेत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ युद्ध विराम को फिर से पटरी पर लाना चाहते हैं। इजराइल की मांग है कि हमास कोई युद्ध विराम शुरू होने से पहले और भी बंधकों की रिहाई करे और क्षेत्र को खाली करने के लिए सहमत हो। इजराइल ने कहा है कि उसकी योजना गाजा के अंदर बड़े सुरक्षा क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण स्थापित करने की है। हमास के वार्ता प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख खलील अल-हय्या ने कहा था कि समूह ने इजराइल के नवीनतम प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। उन्होंने हमास के इस रुख को दोहराया कि वह और भी फलस्तीनी कैदियों की रिहाई, गाजा से इजराइली सैनिकों की पूर्ण वापसी और एक स्थायी युद्ध विराम के बदले में ही बंधकों को छोड़ेगा, जैसा कि जनवरी में हुए युद्ध विराम समझौते में कहा गया था। हमास के पास अभी भी 59 बंधक हैं और माना जा रहा है कि इनमें से 24 जीवित हैं।

हिंसा पीड़ितों से मिले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस शनिवार को हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद पहुंचे। यहां पहुंच कर बोस ने कहा कि वह कल के दौरे का विस्तार है। मैं आज और जगहों पर जाऊंगा और प्रभावित लोगों से मिलूंगा। राज्यपाल हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार से भी मिले। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को फोन नंबर उपलब्ध कराया गया है, जिससे लोग मुझसे सीधे बात कर सकते हैं। बोस ने प्रभावी कदम उठाने का वादा भी किया। राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की टीम भी मुर्शिदाबाद में है। शुक्रवार को मालदा पहुंचने के बाद राज्यपाल ने कहा था कि कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। अगर राज्य को मदद की जरूरत है, तो हम केंद्र से बल भेजने के लिए तैयार हैं।

कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा के बेटे पर हुआ जानलेवा हमला

एजेंसी

बेंगलुरु। कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा राय के बेटे रिकी राय पर शुक्रवार देर रात को जानलेवा हमला हो गया। यह हमला बेंगलुरु के पास बिददी इलाके में हुआ है। पुलिस ने जानकारी दी कि हमला तब हुआ जबकि रिकी अपनी कार से ड्राइवर और गनमैन के साथ बेंगलुरु लौट रहा था। इसी बीच उनके घर से महज 200 मीटर की दूरी पर रात करीब 1:30 बजे एक अज्ञात हमलावर ने दो राउंड फायरिंग कर घायल कर दिया। दोनों घायलों को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करा दिया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि दोनों घायल खतरे से बाहर हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो रिकी हाल ही में रूस की विदेश यात्रा करके लौटे थे और पारिवारिक मामलों को सुलझाने में लगे हुए थे। ऐसे में रिकी पर हुए हमले की एक वजह रियल एस्टेट कारोबारी से चल रहा विवाद बताया जा रहा है। हमले के पीछे रिकी के ड्राइवर ने एक बिल्डर और रिकी की पहली पत्नी पर शक जाहिर किया है। यहां बताते चलें कि अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा राय के एक पुराने दुश्मन पर भी शक की सुई है, जिसकी जांच की जा रही है। रिकी पर हुए जानलेवा हमले के बाद बिददी पुलिस स्टेशन में अटेंप्ट टू मर्डर और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि हमले की सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

ट्रंप प्रशासन ने विदेशी छात्रों को भेजा वीजा रद्द होने का ईमेल

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने कई विदेशी छात्रों को वीजा रद्द होने का मेल भेजा था। इस मेल के जरिए छात्रों को अमेरिका छोड़ने के लिए कहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें से 50 फीसदी छात्र भारतीय हैं। अमेरिकन इमिग्रेशन लॉयर्स एसोसिएशन (एआईएलए) ने 327 छात्रों की जानकारी एकत्र की है। इनमें से 50 फीसदी से ज्यादा छात्र भारतीय हैं। भारत के बाद दूसरा नंबर चीन का है। इस सूची में शामिल 14 फीसदी छात्र चीनी हैं। अमेरिकी विदेश विभाग पिछले चार महीनों से विदेशी छात्रों के डेटा की जांच कर रहा है। इसके जरिए इजराइल के खिलाफ और हमास के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले विदेशी छात्रों का वीजा रद्द किया जा रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुताबिक 26 मार्च तक 300 से ज्यादा हमास समर्थक छात्रों का एफ-1 वीजा रद्द कर चुके हैं। इसमें कई भारतीय छात्र भी हैं। अमेरिकी सरकार एआई ऐप ह्यकैच एंड रिवोकह्व की मदद से ऐसे छात्रों की पहचान कर रही है। विदेश मंत्री रुबियो के मुताबिक 26 मार्च तक 300 से ज्यादा हमास समर्थक छात्रों का एफ-1 वीजा रद्द किया जा चुका है। इसमें कई भारतीय छात्र भी शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में हिंसा को लेकर विहिप का प्रदर्शन

जोधपुर। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के विरोध में शनिवार को बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद ने कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बंगाल में हिन्दुओं पर हिंसा और राज्य सरकार की अकर्मण्यता को लेकर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया कि पिछले एक सप्ताह से वक्फ अधिनियम के बहाने पश्चिम बंगाल में हिंदू लक्षित हिंसा और दंगों के चलते बड़ी संख्या में पीड़ित हिंदू परिवार अपने ही राज्य में निर्वासित होने पर विवश हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल सरकार की तुष्टिकरण नीति के चलते हिंदू परिवारों के जीवन, सम्मान और सम्पत्ति की रक्षा संभव नहीं है।

उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 4 आतंकी ढेर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान प्रांत के स्वात जिले में चलाया गया। उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संयुक्त अभियान के दौरान चार आतंकवादी मारे गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस महीने की शुरूआत में 2025 के पहले तीन महीनों में खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में आतंकवादी हमलों में 152 लोग मारे गए। मरने वालों में पुलिस वाले, सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक शामिल थे। केपी पुलिस की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन घटनाओं में 302 व्यक्ति घायल भी हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिक सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। जनवरी से मार्च के बीच 45 लोगों की मृत्यु हुई और 127 लोग घायल हुए। पुलिस बल ने 37 सदस्यों को खो दिया, जबकि 46 अन्य घायल हुए। आईएसपीआर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों से उनके ठिकाने पर मुठभेड़ की, जिसमें चारों आतंकवादी मारे गए। आतंकवादियों के ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। बयान में कहा गया कि मारे गए आतंकी क्षेत्र में कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने बुधवार को डेरा इस्माइल खान जिले के मद्दी इलाके में चार आतंकवादियों को मार गिराया था। रिपोर्ट के अनुसार, हमलों में फ्रंटियर कोर (एफसी) के 34 कर्मियों की मृत्यु हो गई तथा 43 अन्य घायल हो गए। थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 में देश में आतंकवादी हमलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो पिछले महीने की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है।

संकट से जूझ रही पाकिस्तानी एयरलाइंस अब निजी हाथों में देने की तैयारी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने सरकारी विमानन कंपनी ह्यपाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस को बेचने के प्रयास विफल रहने के बाद इसकी बिक्री की नए सिरे से कोशिश करने का फैसला किया है। नकदी संकट से जूझ रही पीआईए के निजीकरण पर सालों से विचार किया जा रहा है और इसके लिए 2024 में बोली लगाई गई थी लेकिन सरकार बड़ा खरीदार आकर्षित करने में विफल रही और बोली लगाने वाली एकमात्र कंपनी ने मात्र 10 अरब रुपए की पेशकश की जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। पाकिस्तान के निजीकरण और निवेश मंत्री अब्दुल अलीम खान ने पिछले महीने कहा था कि पीआईए के निजीकरण का काम मई तक पूरा कर लिया जाएगा। निजीकरण आयोग की बैठक में अगले सप्ताह से बिक्री प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया गया है। बयान में कहा गया कि पीआईएसीएल के पृथक्करण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति का एक नया विज्ञापन अगले सप्ताह प्रकाशित करने की योजना है। इसमें कहा गया कि एजेंडे के शेष मदों पर विचार करने के लिए बैठक की जाएगी। पीआईए पिछले कई सालों से वित्तीय संकट से जूझ रही है। यह समस्या 2023 में तब आई जब पीआईए के 7,000 कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया। इससे पहले यूरोपीय संघ ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2020 में पीआईए पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अनुराग कश्यप ने नाराज ब्राह्मण समुदाय से मांगी माफी

मुंबई। फिल्ममेकर अनुराग कश्यप एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए उनके एक बयान ने ब्राह्मण समुदाय में नाराजगी पैदा कर दी, जिसके चलते उन पर शिकायत भी दर्ज की गई। अब अनुराग कश्यप ने एक सार्वजनिक पोस्ट के जरिए माफी मांगते हुए मामले को शांत करने की कोशिश की है। फिल्म फुले की रिलीज में आ रही बाधाओं को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कश्यप ने सरकार, सेंसर बोर्ड और ब्राह्मण समुदाय पर तीखे सवाल उठाए थे। इसी दौरान उन्होंने एक विवादित टिप्पणी की, जो व्यापक स्तर पर आलोचना का कारण बनी। उनके एक जवाब, ब्राह्मण पे मैं मूतूंगा, कोई प्रॉब्लम? ने आग में घी का काम किया।

हेलिकॉप्टर संकट: अब ध्रुव की उड़ान पर रोक

▸ बार बार क्रैश हो रहे चेतक और चीता

एजेंसी

नई दिल्ली। हेलिकॉप्टरों को लेकर एक नया संकट दिखाई दे रहा है। चेतक और चीता बार बार क्रैश हो रहे हैं इनमें उड़ान भरना किसी खतरे से कम नहीं है वहीं ध्रुव पर पहले से ही रोक लगी है। ऐसे में हेलिकॉप्टर संकट लाजिमी है। लगभग 330 ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) लंबे समय से ग्राउंडेड हैं। इससे सैन्य अभियानों, विशेष रूप से अग्रिम क्षेत्रों में सप्लाई उड़ानों और टोही मिशनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। भारतीय सशस्त्र बल पहले से ही 350 पुराने सिंगल-इंजन वाले चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों की खराब हालत और बार-बार क्रैश होने की घटनाओं से जूझ रहे हैं। ये ध्रुव हेलिकॉप्टर भारतीय सेना, वायुसेना, नौसेना और तटरक्षक बल की रीढ़ माने जाते हैं। ये हेलिकॉप्टर चीन और पाकिस्तान के साथ लगती सीमाओं के अग्रिम क्षेत्रों में सस्टेनेन्स फ्लाइट्स, निगरानी, टोही, खोज और बचाव अभियानों में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन पिछले तीन महीनों से इन सभी अभियानों में भारी रुकावट आ रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, सभी सैन्य अभियानों पर असर पड़ा है। ध्रुव हेलिकॉप्टर उड़ाने वाले पायलटों की उड़ान की दक्षता भी प्रभावित हो रही है, और अब वे केवल सिमुलेटर पर अभ्यास कर पा रहे हैं। ध्रुव हेलिकॉप्टरों पर सबसे ज्यादा निर्भरता 11.5 लाख सैनिकों वाली भारतीय थल सेना की है, जिसके पास 180 से अधिक एएलएच हैं, जिनमें 60 हथियारबंद वर्जन रुद्र शामिल हैं।

विदेशी ताकतों की कठपुतली बनें यूनुस बनेंगे बांग्लादेश की तबाही का सबब

▸ शेख हसीना का वर्चुअल संबोधन वाला वीडियो फिर हुआ वायरल

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर तीखा हमला बोला है। अपने एक वर्चुअल संबोधन में हसीना ने यूनुस को सत्ता का भूखा और विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने देश को तबाही की राह पर धकेलने की गहरी साजिश रची है। शेख हसीना का यह वीडियो एक बार फिर तेजी से वायरल हुआ है और चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगभग 8 मिनट के इस वीडियो संदेश में यूनुस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है, कि यह आत्मकेंद्रित और पैसों का लालची व्यक्ति बांग्लादेश की आजादी की पहचान को मिटाने पर तुला है। बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर यूनुस ने अवामी लीग के नेताओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। देशभर में हमारे समर्थकों के कारोबार, अस्पताल और यहां तक कि स्मारकों तक को आग के हवाले किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, यूनुस, आग से खेलोगे तो वो तुम्हें जला देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके नेतृत्व में बनाए गए मुक्ति योद्धा स्मारकों को जलाया जा रहा है और आजादी के नायकों का अपमान खुलेआम किया जा रहा है। हसीना ने आरोप लगाया कि यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति चरमराई है। उन्होंने कहा, हजारों कारखाने बंद हो चुके हैं, डॉक्टरों को बर्खास्त किया जा रहा है, और पुलिस की वर्दी ऐसे राजनीतिक कार्यकर्ताओं को दी गई है जो किसी भी तरह से उपयुक्त नहीं हैं। संबोधन में शेख हसीना ने बीते वर्ष कोटा आंदोलन के दौरान मारे गए अबू सईद की मौत पर भी सनसनीखेज खुलासा किया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस मौत को पुलिस द्वारा जानबूझकर हत्या बताया गया था, लेकिन हसीना ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि पुलिस ने केवल रबर बुलेट का इस्तेमाल किया था। सईद की मौत पत्थर से सिर कुचले जाने से हुई थी। लेकिन फिर 7.62 एमएम की असली गोली वहां कैसे पहुंची? यह साबित करता है कि यह सब पूर्व नियोजित साजिश थी। हसीना ने यह भी आरोप लगाया कि जब इस हत्या की जांच शुरू हुई, तब यूनुस ने संबंधित अधिकारी को पद से हटा दिया। उन्होंने मांग की कि अबू सईद के शव का दोबारा परीक्षण किया जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि आज असली दोषियों को इनाम मिल रहा है और निर्दोषों को सजा दी जा रही है। जो पुलिसवाले हिंसा में घायल हुए, उन्हें भुला दिया गया और हिंसा करने वालों को मुआवजा दिया गया, यह सब हसीना ने दुख जताते हुए कहा है। गौरतलब है कि शेख हसीना वर्तमान में निर्वासन में हैं और भारत में रहकर सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी पार्टी अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों से संवाद बनाए रखती हैं। हसीना का यह बयान ऐसे समय में आया जबकि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और सत्ता संघर्ष चरम पर है। उनका यह तीखा हमला यह संकेत देता है कि आने वाले समय में बांग्लादेश की राजनीति में और अधिक उथल-पुथल देखने को मिल सकती है।

फिल्म इंडस्ट्री में रिजल्ट की गारंटी नहीं होती: सैयामी खेर

एजेंसी

मुंबई। बालीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री एक ऐसी जगह है जहां रिजल्ट की कोई गारंटी नहीं होती, लेकिन वह अपने काम पर पूरा फोकस करती हैं। सैयामी ने कहा, मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है और अब मैं प्रक्रिया को महत्व देती हूं। जब आप सिर्फ काम पर ध्यान देते हैं, तो सांस लेना आसान हो जाता है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें ऐसी कहानियां पसंद हैं, जो दूसरों को प्रभावित करती हैं। वह ऐसे किरदार निभाना पसंद करती हैं, जो चुनौतीपूर्ण होते हैं, और उनका मानना है कि यही कारण है कि उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। सैयामी ने फिल्म इंडस्ट्री की अनिश्चितता को लेकर भी अपनी हैरानी जाहिर की। उन्होंने कहा, यहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की कभी गारंटी नहीं होती। आप किसी चीज में अपना दिल, आत्मा और मेहनत लगा सकते हैं, फिर भी परिणाम क्या होगा, यह निश्चित नहीं है। लेकिन यही अनिश्चितता इसे जीवंत और मैजिकल बनाती है। वह समय की पाबंदी को भी एक ह्यरेयर क्वालिटीह्व के रूप में देखे जाने पर हैरान हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में बनाएं करियर

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- बीमा क्षेत्र
- वित्तीय संस्थाए
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

लाइब्रेरी सांइस में क्या है करियर स्कोप

स्कूल कॉलेज हों या फिर सरकारी व प्राइवेट संस्थान हर जगह डॉक्यूमेंट्स को संभालने व संरक्षण करने के लिए लाइब्रेरी का उपयोग होता है। इस लाइब्रेरी में किताबों की देखभाल करने वाले को लाइब्रेरियन कहा जाता है।

अगर आपको भी किताबों से प्यार है और ज्ञान के भंडार के बीच अपना समय बीताना चाहते हैं, तो लाइग्ररियन बन सकते हैं, इसके लिए आपको लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करना पड़ेगा, जिसके बाद आप लाइब्रेरी अटेंडेंट, लाइब्रेरी असिस्टेंट, जूनियर लाइब्रेरियन और लाइब्रेरियन जैसे पदों पर रहकर अच्छा करियर बना सकते हैं।

क्या है लाइब्रेरी सांइस का कोर्स

लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा है, आज के समय यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है। इसलिए इसमें करियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं। इस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इस क्षेत्र में अगर आप करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होना जरूरी है। क्योंकि आजकल सारे डेटा और रिकॉर्ड कंप्यूटर पर ही रखे जाते हैं।

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स

अगर आप लाइब्रेरी साइंस में करियर बनाना चाहते हैं तो आप डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए कैंडिडेट्स को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। वहीं बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस या बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के लिए आपको किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना होगा। बैचलर करने के बाद आम मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस भी कर सकते हैं। इसके बाद आप एमफिल या पीएचडी कर रिसर्च या टीचिंग के सेक्टर में भी जा सकते हैं।

करियर स्कोप क्या है

लाइब्रेरी साइंस में इस समय जॉब्स की कमी नहीं है, लाइब्रेरी साइंस में ग्रेजुएट होने के बाद आप सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। जिस तरह से दिन- प्रतिदिन यूनिवर्सिटी और कॉलेज की संख्या बढ़ रहा है, ठीक उसी प्रकार इस सेक्टर में जॉब के अवसर भी बढ़ रहे हैं। आप किसी भी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, प्राइवेट संस्थान, प्राइवेट लाइब्रेरी, म्यूजियम आदि में लाइब्रेरियन के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूजपेपर और न्यूज चैनल्स में भी लाइब्रेरियन की नियुक्ति की जाती हैं। अब तो कॉरपोरेट कंपनियों में भी लाइब्रेरी को प्रमोट किया जाता है, ऐसे में यहां पर भी अच्छी सैलेरी के साथ जॉब मिल सकती है। अब जमाना डिजिटल हो चुका है, इसलिए अब ऑनलाइन लाइब्रेरी या कंप्यूटर लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी का चलन तेजी से बढ़ा है।

करियर ऑप्शन क्या है

अब लाइब्रेरी साइंस काफी विकसित सेक्टर के रूप में जाना जाता है। जिसकी जरूरत हर जगह पर पड़ती है। जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के अनेक ऑप्शन हैं। आप कोर्स पूरा कर निम्न पदों पर रहकर करियर बना सकते हैं। जिसमें जूनियर लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन, लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी अटेंडेंट, पुस्तकालय सहायक, शोधकर्ता व वैज्ञानिक, सलाहकार, तकनीकी सहायक, अभिलेख प्रबंधक, सूचना केंद्र का प्रमुख, वरिष्ठ सूचना विश्लेषक, कानून लाइब्रेरियन, इंडेक्सर, सूचना वास्तुकार, पुरालेखपाल शामिल है।

कितनी मिलती है सैलरी

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स करने के बाद आप प्रेशर के तौर पर 20 से 30 हजार रूपए कमा सकते हैं, इसके बाद जिस तरह से आपका अनुभ्व बढ़ेगा, उसी के अनुसार आपका पद और वेतन भी बढ़ेगा। वहीं अगर आपकी जॉब गवर्नमेंट सेक्टर में लग गया तो आप हर माह लाखों रुपए कमा सकते हैं।

आईआईटी में एडमिशन दिलाएंगी ये टिप्स

देश में इंजीनियर बनने की चाह रखने वाले हर स्टूडेंट की चाहत होती है कि वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) से इंजीनियरिंग करे। आईआईटी में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को जेईई मेन एवं जेईई एडवांस परीक्षा पास करनी होती है। यहां हम आपको तैयारी के लिए कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं।

बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले सिलेबस के अनुसार अपना स्टडी प्लान बनाएं। जेईई मेन और जेईई एडवांस दोनों के सिलेबस लगभग समान होते हैं।

सेट करें वीकली और डेली टारगेट

स्टडी के लिए न्यूनतम घंटे तय करें। इसके साथ ही डेली या वीकली टारगेट सेट करें।

एनसीईआरटी की लें मदद

बेसिक तैयारी के लिए एनसीईआरटी बुक्स बहुत अच्छी मानी जाती हैं। इस कारण 11वीं से ही इन बुक्स से तैयारी करें।

क्लियर करें कॉन्सेप्ट

जेईई परीक्षा में आपके बेसिक्स की जांच होती है। पहले बेसिक कॉन्सेप्ट को समझें और इसके लिए थ्योरी पार्ट को पढ़ें।

स्मार्ट स्टडी

हार्ड वर्क के साथ ही स्मार्ट वर्क करें। इसके लिए नोट्स बनाएं, इंपॉर्टेंट प्वाइंट्स, फॉर्मूला, शॉर्टकट, रिएक्शन आदि के साथ स्मार्ट स्टडी करें।

मॉक टेस्ट पेपर

अपनी स्पीड, लर्निंग एक्यूरेसी और टाइम मैनेजमेंट स्किल को परखने के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट पेपर सॉल्व करें।

कर सकते हैं कोचिंग

टफ और डाउट वाले प्रश्नों को आसानी से समझने के लिए आप कोचिंग भी ज्वॉइन कर सकते हैं।

12वीं में पीसीएम लेने के मतलब सिर्फ इंजीनियर बनना ही नहीं

छात्रों के बीच एक आम धारणा है कि 12वीं में मैथ्य लेने का मतलब है इंजीनियरिंग करना और साइंस लेने का मतलब है डॉक्टर बनना, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर बच्चा सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना चाहता है। कई बच्चे ऐसे भी हैं जो अलग फील्ड में जाना चाहते हैं।

बन सकते हैं पायलेट

अगर आप बचपन से उड़ते हुए प्लेन को देख कर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आप पायलट पाठ्यक्रम भी चुन सकते है। इसका कोर्स प्राइवेट कॉलेज भी करवाते है। हवाई यात्रा सस्ती होने के साथ, विमान उद्योग तेज गति उन्नति कर रहा है और वाणिज्यिक पायलटों की आवश्यकता भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। यदि आप आकाश में उड़ना चाहते हैं और पायलट बनना कहते है तो यह कोर्स आपके लिए परफेक्ट है।

मर्चेंट नेवी

यह कोर्स आज के समय में बेहतर ऑप्शंस है। इसमें आप मरीन इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंस, शिप मेंटेनेंस आदि कोर्स कर सकते हैं। यह देश में सबसे अधिक सैलरी देने वाले कोर्सेज में से एक है। इसमें आपको कई देशों का सफर करने का मौका मिलता है तथा देश की सेवा करने का भी मौका मिलता है। काफी युवा छात्र मर्चेंट नेवी को अपना करियर बनाते है यह छात्रों की एक मनपसंद फील्ड है।

एनीमेशन का फील्ड

अगर आप क्रिएटिव हैं तो एनीमेशन के फील्ड में जा सकते हैं। 12वीं के बाद एनीमेशन की फील्ड में करियर बनाने का सपना काफी छात्रों का होता है। एनीमेशन की फील्ड काफी ज्यादा क्रिएटिव और मनोरंजक फील्ड है। इसमें छात्रों को कुछ नया करने को मिलता है। आज कल के समय में एनिमेटेड मूवीज, कार्टून्स काफी ज्यादा लोकप्रिय है ऐसे में एनीमेशन की फील्ड में बहुत कुछ कर दिखने का मौका है। कुछ साल पहले तक, केवल निजी संस्थान थे जो एनीमेशन के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करते थे, परन्तु अब काफी इंस्टीटूट्स खुल गए है जो एनीमेशन का कोर्स करवाते है तथा नौकरी भी दिलाते है।

वीडियो गेम

कोरोना के बाद वीडियो गेम उद्योग बूस्ट पर चल रहा है। भारत में आज कई इंटरनेशन व नेशनल कंपनियां इस फील्ड में काम कर रही हैं। इस फील्ड में आपको कंप्यूटर लैंग्वेज पढ़ाई जाएगी और ग्राफिक डिजाइनिंग के बारे सिखाया जाता है। इस फील्ड में भी बहुत ज्यादा क्रिएटिविटी की जरुरत है। इस फील्ड में वेतन भी बहुत अच्छा है तथा भविष्य भी बहुत बढ़िया है।

एप डेवलपर

इस समय डिजिटल दुनिया में सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है ऐसे में एप डेवलपर का भविष्य बहुत ही अच्छा है। आप एप डेवलपिंग का कोर्स ज्वाइन कर के अपना करियर इस फील्ड में बना सकते है। इसमें वेतन भी बहुत ज्यादा मिलता है। आजकल सभी लोग अपना व्यवसाय ऑनलाइन करते जा रहे है ऐसे में सभी अपना एप बनवाते है और अपने बिजनेस को या प्रोडक्ट तो प्रमोट करते है इसलिए यह भी एक बहुत अच्छा करियर ऑप्शन है।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

आज के समय में यहां सैकड़ों आईटी फर्म हैं और दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। और ये आईटी फर्म एक बढ़िया 7 फिगर सैलरी देती है अपने सॉफ्टवेयर डेवलपर को। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल ये सभी कम्पनीज सॉफ्टवेयर डेवलपर हायर करती है और अच्छा वेतन देती है। आजकल तो सभी बैंक्स भी ऑनलाइन हो गए है और लगभग सभी ऑफिसेस भी अपना सॉफ्टवेयर डेवेलप करवाते है। ऐसे में ये एक ऐसा करियर है जिसमे कभी पीछे नहीं मुड़ना पड़ेगा। सभी आईटी फरम्स सॉफ्टवेयर डेवलपर को रखती है और अच्छा वेतन देती है।

बीसीए भी है ऑप्शन

अगर आप 12 वीं के बाद करियर ऑप्शन देख रहे हैं तो आपके लिए बीसीए एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है। अगर आपको कंप्यूटर में इंटरेस्ट है तो बीसीए आपके लिए बढ़िया चुनाव रहेगा। बीसीए करने के बाद आप किसी अच्छी आईटी कंपनी में जॉब कर सकते है और अगर आप बीसीए के बाद पोस्ट ग्रेजुएट एमसीए भी कर लेंगे तो कंप्यूटर की फील्ड में एक अच्छा करियर बना सकते है तथा उच्च वेतन की नौकरी भी मिल सकती है।

आप पेंटिंग या ड्राइंग के साथ अपना स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पेंटिंग डिपार्टमेंट से आप म्यूरल के लिए भी जा सकते हैं।

पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में बनाएं करियर

बदलते समय के साथ लोगों की सोच भी बदल रही है, खास कर ऐसे माता- पिता की जो अपने बच्चों पर बचपन से ही डॉक्टर-इंजीनियर बनने का दबाव डालते और इसे ही करियर के लिए सबसे बेहतर मानते थे। आज के समय में करियर के कई विकल्प खुल गए हैं। अब सिर्फ कॉमर्स या साइंस जैसे स्ट्रीम ही करियर की संभावना नहीं रह गया है। यही कारण है की मां-बाप अपने बच्चों को पसंद के अनुसार अपना करियर बनाने का मौका दे रहे हैं। इस समय फैशन एक ऐसा क्षेत्र है जो युवाओं को खुलकर जीने का मौका दे रहा है, जिससे आज युवा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं और पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में अपनी प्रतिभा निखारने के साथ अपना करियर बना रहे हैं।

क्या है बैचलर ऑफ फाइन आर्ट

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का स्वरूप बहुत बड़ा है। इसमें छात्रों को नृत्य, चित्र, फोटोग्राफी, फिल्म, वास्तुकला, आदि की शिक्षा दी जाती है। यह कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं, ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में बीएफए चार सालों का कोर्स होता है। शुरूआती सालों में आपको विजुअल आर्ट के सभी विषयों की जानकारी दी जाती है लेकिन अंतिम साल में आपको स्पेशलाइजेशन के रुप में एक विषय चुनना होता है।

जरूरी स्किल

अगर आप इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते है तो आपको कला की अच्छी समझ होनीं चाहिए। इसके लिए आपमें कल्पनाशीलता और क्रिएटिविटी जैसी स्किल की बेसिक जानकारी जरूरी है। इसके अलावा थिंकिंग पावर और ड्राइंग, पेंटिंग, स्कैचिंग की अच्छी समझ होना जरूरी है। वहीं इस फील्ड के लिए आप नए- नए एक्सपेरिमेंट करते रहना जरूरी है, जिससे आपकी कला का और विकास हो सके। एक पेंटर के रूप में, एक उम्मीदवार विभिन्न कलाकृतियां बना सकता है जैसे कि वाटर कलर पेंटिंग, ऑइल पेंटिंग, इंक वॉश पेंटिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, पेस्टल कलर पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग, एनकॉस्टिक पेंटिंग आदि। एक पेंटर आमतौर पर स्वतंत्र रूप से काम करता है या उसका प्रदर्शन करता है।

करियर

यह एक ऐसा सेक्टर है जहां पर छात्रों को बीएफए कोर्स करने के बाद आसानी से जॉब मिल जाती है। आज कल बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स में काफी बच्चों को दिलचस्पी होती है। बैचलर ऑफ फाइन आर्टस एडवरटाइजिंग कम्पनीज, आर्ट स्टूडियोज, बाउटिकेस आदि जगहों पर जॉब कर सकते हैं। आज के समय में बैचलर ऑफ फाइन आर्टस का क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं अच्छी पेंटिग्स भी लाखों- करोड़ो रुपए में बिक रही हैं, जिससे कलाकारों को उसका पूरा फायदा भी मिल रहा है। अगर आप चाहें तो आप इसमें एमए करके रिसर्च के लिए जा सकते हैं और इसके बाद आप किसी प्राइवेट संस्थान या किसी सरकारी कॉलेज में पढ़ा सकते हैं। वैसे तो कोर्स पूरा होने के पहले ही अगर आपने मेहनत की तो आपको सफलता मिलनी शुरू हो जाती है, ज्यादातर को प्राइवेट संस्थानों में, घरों और ऑफिसों, सरकार की तरफ से दीवारों को सजाने या उनपर पेंट, पोर्टरेट बनाने जैसे काम मिलने शुरू हो जाते हैं। फ्रीलांस आर्टिस्ट के तौर पर भी आप कार्य कर सकते हैं।

क्या होती है जॉब प्रोफाइल

एक पेंटर बनने के लिए आपको बीए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, बीएफए पेंटिंग, बीए इन पेंटिंग, बीए इन विजुअल आर्ट्स, बीएफए एप्लाइड आर्ट्स, एमएफए, एमए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, डिप्लोमा इन पेंटिंग का कोर्स करना पड़ेगा। जिसके बाद आप पेंटर, क्राफ्ट आर्टिस्ट, विजुअलाइजेशन प्रोफेशनल, इलेस्ट्रेटेर, डिजिटल डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, आर्ट प्रोफेशनल, आर्ट डायरेक्टर, आर्ट कंजरवेटरआर्ट, डनेपनउ, आर्ट रेस्टोरेशन स्पेसलिस्ट, मुरलिस्ट पेंटर, कॉमिक आर्टिस्ट, एंटीरियर डिजाइनर से जॉब प्रोफाइल पर कार्य कर सकते हैं।

'केसरी चैप्टर 2' सिर्फ फिल्म नहीं, एक अधूरा हिसाब और इंसाफ है: अक्षय कुमार

देश के इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक जालियांवाला बाग हत्याकांड पर बनी फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में वकील सी. शंकरन नायर की भूमिका निभा रहे अभिनेता अक्षय कुमार ने एक पोस्ट में बताया कि 'केसरी चैप्टर 2' सिर्फ फिल्म नहीं, यह एक अधूरा हिसाब और इंसाफ है। इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ी कुछ तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेता ने बताया कि 'केसरी चैप्टर 2' की कहानी एक तूफान है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, कहानियां बहुत सुनी होंगी आपने, पर यह एक तूफान है। सी. शंकरन नायर की इस कहानी ने मुझे झकझोर दिया क्योंकि हम नहीं जानते थे कि जलियांवाला बाग नरसंहार के बाद किसी एक व्यक्ति ने पूरे ब्रिटिश अंपायर को अदालत में घसीट कर घुटनों पर ला दिया था। अभिनेता ने बताया कि वह केसरी चैप्टर 2 सिर्फ एक कलाकार की हैसियत से नहीं, बल्कि एक भारतीय की हैसियत से कर रहे हैं। अभिनेता ने आगे बताया, मैं 'केसरी चैप्टर 2' सिर्फ एक कलाकार की हैसियत से नहीं, बल्कि एक भारतीय के तौर पर कर रहा हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहींज्यह एक अधूरा हिसाब है, यह एक दर्दनाक याद है और आखिरकार हमें मिला इंसाफ है। 13 अप्रैल 1919 में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड पर बनी फिल्म में अक्षय कुमार सी. शंकरन नायर की भूमिका में हैं, जो कोर्ट रूम में जलियांवाला का सच दुनिया के सामने लाने और ब्रिटिश राज के खिलाफ दहाड़ते नजर आएंगे। वहीं, आर माधवन वकील नविल मेककिनले के किरदार में हैं, जो ब्रिटिश राज की ओर से कोर्ट में अक्षय का सामना करते हैं। अनन्या पांडे अपने करियर में निभाए गए अब तक निभाए किरदार से अलग नजर आएंगी। वह पहली बार पर्दे पर इस तरह की गंभीर भूमिका में दिखेंगी। 'केसरी 2' में अनन्या पांडे वकील दिलरीत गिल के किरदार में हैं। फिल्म को सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है, जिसका मतलब है कि फिल्म में ऐसे दृश्य हैं, जो केवल 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के दर्शकों के देखने के लिए ही सही माने गए हैं। जानकारी के अनुसार, बोर्ड ने फिल्म के कुछ दृश्यों में भी बदलाव किए। फिल्म की कुल लंबाई 2 घंटे, 16 मिनट है। करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी 'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस, केप ऑफ गुड फिल्म्स और लियो मीडिया ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार, अभिनेता आर. माधवन, अनन्या पांडे के साथ रेजिना कैसेंड्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। 18 अप्रैल को रिलीज हुई फिल्म को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। किसी ने फिल्म को शानदार तो किसी ने बेहतरीन बताया है।

जाति विशेष पर टिप्पणी कर बुरे फंसे अनुराग कश्यप, वकील ने की शिकायत

फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। इस बार मामला जाति विशेष को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर उनकी कथित टिप्पणी के खिलाफ अब कानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही है। वकील आशुतोष दुबे ने इस संबंध में मुंबई पुलिस आयुक्त को एक पत्र लिखकर अनुराग कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। दुबे का कहना है कि अनुराग कश्यप की टिप्पणी अपमानजनक, भड़काऊ और समाज में नफरत फैलाने वाली है, जिसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता। शिकायत के अनुसार, अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर ब्राह्मणों को लेकर अभद्र टिप्पणी की। अधिवक्ता दुबे का कहना है कि यह बयान न केवल अभद्र और आपत्तिजनक है, बल्कि यह एक विशेष समुदाय के प्रति नफरत और द्वेष को भड़काने वाला है।

दुबे का आरोप है कि कश्यप की यह टिप्पणी भारतीय संविधान की मूल भावना का उल्लंघन करती है और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आती है। उन्होंने कहा कि एक सार्वजनिक व्यक्ति होने के नाते अनुराग कश्यप की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह अपने शब्दों से सामाजिक समरसता बनाए रखें, न कि किसी समुदाय को लक्षित कर अपमानित करें। दुबे ने मुंबई पुलिस से अनुरोध किया है कि इस कथित घृणास्पद टिप्पणी का त्वरित संज्ञान लिया जाए और बीएनएस की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की जाए। साथ ही, मामले की गहराई से जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। फिलहाल इस पूरे मामले पर अनुराग कश्यप की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह पहली बार नहीं है जब अनुराग कश्यप अपने बयानों को लेकर विवादों में आए हैं। वे इससे पहले भी राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय के चलते आलोचना का शिकार हो चुके हैं।

जारी किया फिल्म का पोस्टर

सोनाक्षी सिन्हा स्टारर निकिता रॉय की रिलीज डेट से उठाय पर्दा

बहुप्रतीक्षित साइकोलॉजिकल थ्रिलर निकिता रॉय की रिलीज डेट सामने आ गई है। ये फिल्म 30 मई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है और हाल में मेंकर्स ने फिल्म का एक नया आकर्षक पोस्टर जारी किया है, जिसमें फिल्म की ऑफीशियल रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया गया है। इस फिल्म में एक पावर-पैक्ड कास्ट नजर आएंगी जिसमें सोनाक्षी सिन्हा, अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर जैसे बेहतरीन कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को डायरेक्ट कुश एस सिन्हा ने किया हैं, और एक चिलिंग, इमर्सिव एक्सपीरियंस का वादा करती है, जो साइकोलॉजिक थ्रिलर और ह्यूमन माइंड के ग्रे एरियास को एक्सप्लोर करती है।

निकिता पाई फिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले बनी 'निकिता रॉय' का नेतृत्व किंजल अशोक घोने ने निकी खेमचंद भगनानी, विक्की भगनानी, अंकुर टकरानी, दिनेश रतिराम गुप्ता और क्रेटोस एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया है। वहीं फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले प्रशंसित थ्रिलर लेखक पवन कृपलानी का है। इस फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट शेयर करते हुए फिल्म के निर्माता निक्की और विक्की भगनानी ने कहा, यह फिल्म हमारे दिल के बहुत करीब है। ये उन विषयों को छूती है जो मेनस्ट्रीम सिनेमा में शायद ही कभी देखने मिलते हैं। इसका जॉनर हमारे लिए बहुत एक्साइटिंग है, और हमें पूरा भरोसा है कि दर्शक भी तैयार हैं इस तरह के कंटेंट के लिए। एक दमदार कास्ट, दिलचस्प कहानी और कुश एस सिन्हा का अनोखा विज़न मिलके इसे एक मस्ट-वॉच बना देते हैं। हम बहुत खुश हैं कि दुनिया निकिता रॉय को बड़े पर्दे पर देखेंगी। इस फिल्म को आनंद मेहता, प्रकाश नंद बिजलानी, शक्ति भटनागर, मेहनाज़ शेख और प्रेम राज जोशी ने को-प्रोड्यूस किया हैं। मिस्ट्री, थ्रिल और साइकोलॉजिकल लेयर्स से भरी हुई ये फिल्म इस साल की सबसे दिलचस्प थ्रिलर्स में से एक बनने जा रही है। तो क्या आप एक्साइटेड है 30 मई, 2025 को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फिल्म को देखने के लिए।

'सितारे जमीन पर' को लेकर आमिर ने दी बड़ी अपडेट

आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। लोग फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिट्स आमिर खान पिछ्ले काफी वक्त से अपनी आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चाओं बने हुए हैं। फैंस बड़ी ही बेसब्री से आमिर की इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। वो फिल्म के एक-एक अपडेट के बारे में जानकारी चाहते हैं।

अभी हाल ही में ये जानकारी सामने आई थी कि आमिर खान की 'सितारे जमीन पर' 20 जून को रिलीज होगी। अब फिल्म को लेकर एक और नई जानकारी सामने आई है। जिसके बाद फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हो गए हैं।

फिल्म में होंगे 10 प्रमुख किरदार

फिल्म से जुड़ी एक बड़ी जानकारी खुद आमिर खान ने साझा की है। आमिर ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया कि फिल्म में एक-दो नहीं बल्कि 10 प्रमुख किरदार होने वाले हैं। एक्टर ने बताया कि 'सितारे जमीन पर' में जो मेन किरदार हैं, उनमें से कुछ डाउन सिंड्रोम, तो कुछ ऑटिस्टिक हैं। फिल्म में कुछ मेन किरदारों को दिव्यांगों ने भी निभाया है।

20 जून को रिलीज होगी फिल्म

'सितारे जमीन पर' को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। अभी हाल ही में फिल्म की रिलीज को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई थी। जिसमें रिपोर्ट्स के हवाले से यह कहा गया है कि 'सितारे जमीन पर' 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं फिल्म के ट्रेलर को 1 मई को रिलीज होने वाली अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' के साथ अटैच किया जाएगा। जिसे इस फिल्म के साथ दिखाया जाएगा।

फिल्म में आमिर के साथ हैं जेनेलिया

'सितारे जमीन पर' साल 2007 में आमिर खान की फिल्म 'तारे जमीन पर' अगला भाग है। तारे जमीन बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी।

फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने काफी पसंद किया था। यही कारण है कि जबसे आमिर ने 'सितारे जमीन पर' की घोषणा की है, तबसे ही दर्शकों में इस फिल्म को लेकर उत्साह बना हुआ है। फिल्म में आमिर खान के साथ जेनेलिया देशमुख भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

रितेश देशमुख ने अगली निर्देशित फिल्म राजा शिवाजी के लिए लोगो फॉन्ट डिजाइन करने के लिए कलाकारों को किया आमंत्रित

बॉलीवुड के मानदंडों को तोड़ते हुए एक नए कदम के तहत अभिनेता, निर्माता और निर्देशक रितेश देशमुख अपनी आगामी फिल्म राजा शिवाजी में एक महत्वपूर्ण रचनात्मक निर्णय के लिए लोगों की ओर रुख कर रहे हैं। मुंबई फिल्म कंपनी ने जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर फिल्म के आधिकारिक लोगो में इस्तेमाल किए जाने वाले फॉन्ट को डिजाइन करने के लिए कलाकारों को आमंत्रित करने के लिए घोषणा की है। यह दुनिया भर के डिजाइनर्स , टाइपोग्राफर्स और उत्साही लोगों के लिए भारत के इतिहास और गौरव को दर्शाने वाली फिल्म में योगदान देने का एक अवसर है। यह केवल सामान्य प्रतियोगिता नहीं है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत को टाइपोग्राफी के माध्यम से दर्शाने के सार्थक प्रयास का हिस्सा बनने का एक निमंत्रण है जो शक्ति, भावना और संस्कृति को दर्शाता है।

सिनेमाघरों में फिर दस्तक देगी पीकू, दीपिका पादुकोण बोलीं- आपकी बहुत याद आती है इरफान

दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की सुपरहिट फिल्म 'पीकू' अपनी 10वीं सालगिरह पर फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। यह फिल्म 9 मई 2025 को दोबारा रिलीज होगी। दीपिका ने इसकी घोषणा अपने इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो के साथ की। इस मौके पर दीपिका ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को भी याद किया।

दीपिका ने इंस्टाग्राम पर लिखा, पीकू मेरे दिल के सबसे करीब है। यह फिल्म 10 साल पूरे होने पर 9 मई 2025 को सिनेमाघरों में वापस आ रही है।

इरफान, आपकी बहुत याद आती है। हम आपको अक्सर याद करते हैं। उनके इस पोस्ट ने फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ा दी। इस वीडियो में अमिताभ बच्चन दर्शकों से 9 मई को सिनेमाघरों में 'पीकू' देखने की अपील करते दिखे।

फैंस हुए खुश

दीपिका की इस घोषणा ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। फैंस ने कमेंट्स की बौछार कर दी। एक फैन ने लिखा, पीकू मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है। इसे फिर से बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार नहीं कर सकता। दूसरे ने कहा, पीकू और राणा की जोड़ी फिर से देखने को मिलेगी, बहुत खुशी हो रही है। एक अन्य यूजर ने लिखा, यह फिल्म दिल को छू लेती है। इरफान की कमी खलेगी।

'पीकू' की कहानी दर्शकों को आई थी पसंद

2015 में रिलीज हुई 'पीकू' एक ऐसी फिल्म है, जो हल्के-फुल्के अंदाज में परिवार, रिश्तों और जिंदगी की छोटी-छोटी बातों को खूबसूरती से पेश करती है। फिल्म में दीपिका ने पीकू का किरदार निभाया था जो अपने पिता (अमिताभ बच्चन) के साथ एक रोड ट्रिप पर निकलती है। इस सफर में उनके ड्राइवर राणा के रूप में इरफान खान की एंट्री होती है। तीनों किरदारों की शानदार केमिस्ट्री और फिल्म का मजेदार अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया था। दीपिका और इरफान की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को फैंस ने खूब सराहा था।

'ठग लाइफ' में नजर आएंगी सान्या

'मिसेज़' की शानदार सफलता के बाद, सान्या मल्होत्रा अब मणिरत्नम की फिल्म 'ठग लाइफ' में एक नए, रंगीन अध्याय के साथ वापसी कर रही हैं। फिल्म का पहला और बहुप्रतीक्षित गाना 'जिंगुचा' रिलीज़ हो चुका है और सोशल मीडिया पर पहले ही तहलका मचा रहा है।

यह गाना एक भव्य और हर्षोल्लास से भरी शादी के माहौल में सेट है, जिसमें सिनेमा के दिग्गज कमल हसन और सिलंबरासन टीआर नजर आते हैं और सान्या मल्होत्रा अपने ग्रेस और एनर्जी से इस जश्न को और खास बना देती हैं। हालांकि सान्या फिल्म में एक स्पेशल कैमियो में नजर आएंगी, लेकिन 'जिंगुचा' में उनकी मौजूदगी किसी भी तरह से मामूली नहीं है। उनकी परफॉर्मेंस में जोश, ग्रेस और इलेक्ट्रिक अपील का अनूठा मेल है, जो इस फेस्टिव ट्रैक की रौनक को कई गुना बढ़ा देता है। शादी-थीम वाले इस गाने में सान्या ने युवा जोश और सिनेमाई लय से भरपूर परफॉरमेंस दी है, जो कमल हसन के सहज स्वैग और सिलंबरासन की अट्रैक्टिव एनर्जी को खूबसूरती से पूरक बनाती है। हालांकि यह एक सच्चा असेंबली मोमेंट है, लेकिन सान्या की स्क्रीन उपस्थिति और गतिशील डांस ने ट्रैक को अनदेखा करना मुश्किल है। ए.आर. रहमान द्वारा रचित, जिंगुचा ने लोक-प्रेरित लय को आधुनिक साउंडस्केप के साथ जोड़ा है। कमल हसन द्वारा लिखे गए गीत एक चतुर, उत्सवपूर्ण स्पर्श लाते हैं, जबकि मणिरत्नम की सिग्नेचर विजुअल स्टोरीटेलिंग हर फ्रेम में समृद्धि की परतें जोड़ती है।

सान्या ने तरल कोरियोग्राफी और निर्विवाद उपस्थिति के साथ स्क्रीन को रोशन किया, जिससे हमें ठग लाइफ की भव्यता की एक झलक मिलती है। 'मिसेज़' में दमदार परफॉर्मेंस देने के बाद, सान्या ने एक बार फिर साबित किया है कि वह कितनी वर्सेटाइल और पावरफुल कलाकार हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' जैसी बड़ी फिल्म और अनुराग कश्यप व बॉबी देओल के साथ आने वाली नई परियोजना के साथ, सान्या का करियर एक मज़बूत उड़ान भर रहा है।

दंगा रोकने के लिए ड्रिल, पुलिस कर्मियों ने चलाई प्लास्टिक बुलेट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन्स, सूरजपुर के परेड ग्राउंड में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा दंगा नियन्त्रण योजना/बलवा ड्रिल का अभ्यास किया गया। ड्रिल के दौरान पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को टियर गैस, गन, एंटी राईट गन व अन्य दंगा नियंत्रण उपकरणों के बारे में जानकारी देकर अभ्यास कराया गया।

नोएडा पुलिस द्वारा किए गए ड्रिल में शिवहरी मीणा, अपर पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था व श्री अजय कुमार, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय, 07 डीसीपी, 06 एडीसीपी, 17 एसीपी, समस्त शाखा प्रभारी आई0जी0आर0एस, डीसीआरबी, मॉनिटरिंग सैल, एन्टी भूमाफिया सैल, नारकोटिक्स सैल, परिवहन शाखा, रेडियो शाखा, एलआईयू, महिला शाखा व फायर यूनिट तथा समस्त 27 थानों के थाना प्रभारी व द्वितीय अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

पुलिस लाइन्स, सूरजपुर के परेड ग्राउंड में दंगा नियंत्रण योजना की ब्रीफिंग, प्रशिक्षण एवं डी-ब्रीफिंग कराया गया तथा बलवा ड्रिल का अभ्यास किया गया। अधिकारियों/कर्मचारियों को दंगा नियंत्रण उपकरण जैसे- हैलमेट, बॉडी प्रोटेक्टर, केनशील्ड, डंडा, शीन गार्ड, नीगार्ड, एल्बो गार्ड, लाउड हैलर आदि अन्य आवश्यक उपकरणों को कैसे धारण किया जाये इसके बारे में ब्रीफ किया गया।

दंगा नियंत्रण योजना के अंतर्गत Lethal Weapon जैसे 5.56 इंसास रायफल, 7.62 एसएलआर रायफल, ए0के0 47, रिवाल्वर, 9एमएम पिस्टल, ग्लाक पिस्टल, 9एमएम एम0पी0-5 गन आदि शस्त्रों के संचालन व उनकी उपयोगिता के संबंध में ब्रीफ किया गया एवं हैण्डलिंग का अभ्यास कराया गया।

दंगा नियंत्रण योजना के अंतर्गत Non-Lethal Weapon जैसे टियर गैस गन, एण्टी राईट गन, पम्प एक्शन गन, स्मोक सेल, रबर/प्लास्टिक बुलैट, टियर गैस ग्रेनेड़, चिली ग्रेनेड़, स्टन ग्रेनेड़ आदि का अभ्यास कराया गया।

बलवा ड्रिल का अभ्यास 09 टीमे यथा एलआईयू, सिविल पुलिस, अग्निशमन पार्टी, आंसू गैस पार्टी, लाठी पार्टी, फायरिंग पार्टी, रिजर्व पार्टी, मेडिकल टीम, फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी पार्टी बनाकर बलवा ड्रिल व दंगा निरोधक उपकरणों से दंगाइयों को रोकना, आमजन को दंगे के दौरान रेस्क्यू करना, टीयर स्मोक गैस का उपयोग कर भीड को तितर-बितर करना, पानी की बौछार करना, दंगे के दौरान घायल पुलिसकर्मी व आम जनता के लोगों तक मदद पहुंचाने एवं उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाकर प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने आदि का अभ्यास कराया गया, साथ ही उन्हें हर तरह की विषम परिस्थिति का सामना करने के लिए प्रेरित किया गया।

'पोषण शपथ दीवार' पर हस्ताक्षर कर ली शपथ

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों पर जनपद में 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हुए जन सामान्य को जागरूक किया जा रहा है।

इसी श्रृंखला में पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत जेवर तहसील में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पोषण प्रदर्शनी स्टॉल लगाया गया। इस अवसर पर जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा 'पोषण शपथ दीवार' पर हस्ताक्षर कर पोषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए जन सामान्य को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को संतुलित आहार, पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा।

इसी प्रकार दादरी तहसील में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पोषण स्टॉल लगाया गया, जिसमें अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे एवं उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा द्वारा तहसील एवं ब्लॉक स्तर के समस्त अधिकारियों के साथ 'पोषण शपथ दीवार' पर हस्ताक्षर किए। साथ ही अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा दादरी में पोषण रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया गया ताकि ज्यादा से ज्यादा जन सामान्य को पोषण के महत्व से अवगत कराया जा सके। यह आयोजन राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जनभागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

अधिकारियों ने किया स्थलीय निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी के नेतृत्व समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों द्वारा पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत मां और बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए संतुलित आहार, स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के संबंध में व्यापक स्तर पर जागरूक करते हुए स्थलीय निरीक्षण भी किया जा रहा है।

जिला विकास परियोजना अधिकारी दनकौर संध्या सोनी द्वारा वीएचएसएनडी सत्र बिरोंडा का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एएनएम संघिमल द्वारा बताया गया की आशा राजेश की लिस्ट के अनुसार 20 बच्चे आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि 1ab परिवार 07 है। संपर्क करने पर घर पर केवल छोटे बच्चे मिलते है। घर के बड़े सदस्य काम पर चले जाते है।

बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा एएनएम से किशोरी बालिकाओं की लिस्ट माँगी गयी ताकि शीघ्र एचपीवी का टीका बालिकाओं को लगाया जा सके। समस्त मुख्य सेविका को निर्देश दिए गए कि शीघ्र स्कूल न जाने बाली बालिकाओ की सूची बना कर संख्या एमओआइसी को प्रेषित करें, जिसके सभी बालिकाओ को वैक्सीन लगाई जा सके।

विश्व हंसी दिवस पर एक साथ सैकड़ों लोगों ने लगाए ठहाके

नोएडा (चेतना मंच)। जेवीसीसी लाफ्टर क्लब ने सेक्टर-21, नोएडा स्थित जेवीसीसी लॉन्स में विश्व हंसी दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में लगभग 500 उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया। दिल्ली/एनसीआर के विभिन्न लाफ्टर एंबेसडर्स और लाफ्टर क्लब के सदस्यों के अलावा, मेडिकल क्षेत्र से जुड़े डॉक्टर और देखभाल करने वाले, वंचित स्कूलों के बच्चे, रॉबिन हुड आर्मी और गूंज संस्था के सदस्य भी इस आयोजन का हिस्सा बने।

इस अवसर के मुख्य अतिथि मैक्स हॉस्पिटल वैशाली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. आर.के. सग्गू थे। एक घंटे के कार्यक्रम की शुरुआत हरीश मेहता द्वारा प्रस्तुत एक कविता से हुई, जिसके बाद कोमोडोर अशोक साहनी (सेवानिवृत्त) द्वारा हास्य योग सत्र का संचालन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में ग्रेडिएंट लाफ्टर (सत्र की सबसे लंबी हंसी), सभी लाफ्टर एंबेसडर्स की स्टेज पर उपस्थिति के साथ, बॉलीवुड लाफ्टर योग डांस, ग्रैटिट्यूड सॉन्ग पर डांस और JLC सदस्यों की टीम द्वारा प्रस्तुत डांस मेडली शामिल रहे।

मुख्य अतिथि ने विश्व हास्य दिवस 2025 के ब्रोशर का विमोचन किया, जिसमें क्लब की गतिविधियों और सदस्यों के अनुभवों को साझा किया गया।

हिन्दी साहित्य के प्रति पं. साहित्य कुमार चंचल का योगदान प्रशंसनीय : डी.पी. यादव

कासंगज (एजेंसी)। साहित्य वेलफेयर कल्चरल एंड स्पोर्ट्स फेडरेशन(पंजी0) एवं शब्दावली दर्पण न्यूज़ संस्थान के संयुक्त बैनर तले 'राष्ट्रीय शब्दावली कवि सम्मेलन एवं हिंदी बाल प्रतिभा सम्मान समारोह' का आयोजन स्व0 पंडित होराम शर्मा (राष्टपति पदक प्राप्त शिक्षक एवं लेखक) की स्मृति में भारत सरकार से सम्मानित कवि व लेखक पं. साहित्य कुमार चंचल द्वारा कासगंज जनपद के नगरिया कस्बे में आयोजित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं सांसद डी0पी0 यादव मुख्य अतिथि एवं अखिल भारतीय प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष यादव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, तथा लगभग 27 ग्राम पंचायतों के प्रधान भी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक कासगंज के डॉ. एल.आर.मौर्य 'पल्लव' (अध्यक्ष) मथुरा से जे.पी. रावत (कार्यक्रम संरक्षक), ऋषि कुमार शर्मा (बरेली), अजय मिश्र 'दबंग' (हरदोई), प्रदीप रघुनंदन (एटा), सविता सिंह शर्मा (बिहार), निर्मल सक्सेना व मधु सक्सेना (कासगंज) , सतीश दीक्षित (अलीगढ़), गीता शर्मा (हिमाचल), षटवदन शंखधार (बदायूं), बिसौली से आकाश पाठक आदि कवि एवं कवयित्रियों ने अपनी विभिन्न रंगों से ओतप्रोत कविताओं एवं गज़लों से समां बांधा दिया। कार्यक्रम का संचालन पंडित साहित्य कुमार चंचल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि डी.पी. यादव ने कहा कि विगत अनेक वर्षों से पंडित साहित्य कुमार चंचल हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रचार प्रसार में निष्कपट और निशछल भाव से सतत संलग्न हैं और इस कार्य में वे बिना किसी से आर्थिक सहायता लिए हुए जी ज़ान से लगे हुए हैं। श्री चंचल के लिए हिंदी भाषा अथवा साहित्य एक साधन नहीं बल्कि एक साधना है। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

इस अवसर पर हिंदी भाषा में 94 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विभिन्न स्कूलों के अनेक छात्र एवं छात्राओं को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह व उपहार प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस विशेष कार्य की मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं सांसद डी0पी0 यादव द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की गई। फेडरेशन की सचिव प्रिया मिश्रा ने वहां पर उपस्थित लगभग 250 श्रोताओं व दर्शकों का धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया।